Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199

भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य

माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 257 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 09 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

चीनी सेना ने लद्दाख के पास हथियार इकट्ठा किए :सैटेलाइट तस्वीर से खुलासा

नई दिल्ली। चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास बड़े पैमाने पर हथियार इकट्ठा कर रही है। स्र फर्म ब्लैकस्काई ने इसकी सैटेलाइट इमेज जारी की है। ब्लैकस्काई का दावा है कि इन इमेज में चीनी सैनिकों के बंकर दिखाई दे रहे हैं। इन्हें हथियार और ईंधन के भंडारण के लिए बनाया गया है। ये बंकर 2021-22 के दौरान बनाए गए हैं। इनमें ईंधन और हथियारों को छिपाया गया है। इस जगह पर बख्तरबंद गाड़ियां भी देखी गई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पैंगोंग झील के पास सिरजैप में चीनी सैनिकों का बेस है। यहां चीनी सैनिकों का मुख्यालय भी है। इस जगह पर भारत अपना दावा करता आया है। ये जगह एलएसी से सिर्फ5 किलोमीटर दूर है।

5 मई 2020 को चीनी सैनिकों और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी। उस वक्त ये पूरा इलाका खाली था। यहां न कोई गाड़ी थी, न ही कोई चौकी। चीनी सेना ने इसके बाद इलाके में धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ाईं।

ब्लैकस्काई ने जो तस्वीर ली है वह 30 मई 2024 की है। इसमें एक भूमिगत बंकर साफ दिख रहा है। इस बंकर में 5 दरवाजे हैं। बंकर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसे हवाई हमले से कोई नुकसान न हो।

परीक्षा में धांधली पर 'सुप्रीम' टिप्पणी; केंद्र-एनटीए से मांगा जवाब

'यह तो साफ है कि पेपर लीक हुआ'- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। याचिका में पांच मई को हुई परीक्षा रद्द करने, एनटीए को दोबारा परीक्षा कराने का आदेश देने और अनियमितताओं के संबंध में कोर्ट की निगरानी में जांच किए जाने की मांग की गई। कुछ याचिकाकर्ताओं के वकील ने कोर्ट से दोबारा परीक्षा कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि कसूरवार और बेकसूरों की पहचान करना संभव नहीं है। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनटीए को परीक्षा रद्द करने से रोकने की मांग वाली गुजरात के 50 से अधिक सफल परीक्षार्थियों की याचिका पर भी

सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट ने कहा, 'एक बात तो साफहै कि प्रश्न-पत्र लीक हुआ है। सवाल यह है कि इसकी पहुंच कितनी व्यापक है? पेपर लीक होना एक स्वीकार्य तथ्य है। लीक की प्रकृति कुछ ऐसी है, जिसका हम पता लगा रहे हैं। आप केवल इसलिए पूरी परीक्षा रद्द नहीं कर सकते, क्योंकि दो छात्र धांधली में शामिल थे। इसलिए हमें लीक की प्रकृति के बारे में सावधान रहना चाहिए। दोबारा परीक्षा का आदेश देने से पहले हमें लीक की सीमा के बारे में जानना होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि हम 23 लाख छात्रों के मामले को सुन रहे हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि केंद्र और एनटीए ने इस गड़बड़ी से किन-किन छात्रों को फायदा पहुंचा? यह जानने के लिए क्या कार्रवाई की?'

'क्या हम काउंसलिंग होने देंगे?'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पढ़ाई-लिखाई की सबसे प्रतिष्ठित शाखा से निपट रहे हैं। हर मध्यम वर्ग का व्यक्ति चाहता है कि उनके बच्चे या तो चिकित्सा या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करें। यह मानते हुए कि हम परीक्षा रद्द नहीं करने जा रहे हैं। हम ऐसे लोगों की पहचान कैसे करेंगे, जिन्हें इस धांधली का फायदा हुआ है। क्या हम काउंसलिंग होने देंगे और अब तक क्या हुआ है?

कोर्ट ने दिए कई अहम निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने साइबर फोरेंसिक यूनिट को शामिल करने, एआई का उपयोग करके गलत काम करने वालों की संख्या का पता लगाने और उनके लिए फिर से परीक्षा की संभावना तलाशने के बारे में पूछा। कोर्ट ने सीबीआई को जांच की स्थिति बताते हुए रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह बताए कि प्रश्नपत्र पहली बार कब लीक हुआ। वह प्रश्नपत्र लीक होने की घटना और 5 मई को परीक्षा आयोजित होने के बीच की समय अवधि के बारे में भी बताए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख तय की। देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा नीट-यूजी आयोजित की जाती है। पेपर लीक सहित अनियमितताओं के आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। इस पर जमकर राजनीति भी हुई। केंद्र और एनटीए ने 13 जून को अदालत को बताया था कि उन्होंने 1,563 अभ्यर्थियों को दिए गए कृपांक (ग्रेस मार्क) रद्द कर दिए हैं।

'लीक होने के कारण कितने छात्रों के परिणाम रोके गए?'

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि लीक होने के कारण कितने छात्रों के परिणाम रोके गए। कोर्ट ने पूछा कि ये छात्र कहां हैं? भौगोलिक तौर पर ये छात्र कहां कहां हैं? क्या हम अभी भी गलत काम करने वालों का पता लगा रहे हैं और क्या हम लाभार्थियों की पहचान कर भी पाएं हैं? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि परीक्षा को दोबारा से कराना सबसे आखिरी विकल्प होना चाहिए। मामले में जो कुछ भी हुआ, उसकी जांच देश भर के विशेषज्ञों की एक बहु-अनुशासनात्मक समिति से कराई जानी चाहिए।

राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मिले राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद के दौरे से पहले जिरिबाम में गोलीबारी

इंफाल(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर के दौरे पर हैं। मणिपुर पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मुलाकात की। राहुल गांधी के दौरे से पहले जिरिबाम क्षेत्र में सोमवार की सुबह अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलीबारी की। सुबह के साढ़े तीन बजे अज्ञात लोगों ने इलाके में गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी मैतेई इलाके में की गई।

गोलीबारी की जानकारी पाकर सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। सुबह के सात बजे तक सुरक्षाकर्मियों और बंदूकधारियों के बीच गोलीबारी जारी रही। एहतियात के तौर पर आसपास के इलाकों में सुरक्षाकर्मियों को

तैनात किया गया। बता दें कि मणिपुर में पिछले एक साल से जातीय हिंसा जारी है।

राहुल गांधी के राहत शिविर में लोगों से मुलाकात को लेकर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष देबब्रत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, जिरिबाम में हाल ही में हुए हिंसा से प्रभावित लोगों से मिलने के लिए राहुल गांधी यहां आए। पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर में स्थिति सामान्य हो गई है। सब ने इसे मान लिया। लेकिन तथ्य यह है कि राहत शिविरों के पीड़ितों ने अपनी कहानियां सुनाईं। उन्होंने बताया कि उनका सबकुछ तबाह हो चुका है। सरकार की तरफसे कुछ भी नहीं किया गया। राहुल गांधी ने पीड़ितों से उनकी कहानी सुनी। जिरिबाम में पीड़ितों से मिलने के बाद राहुल गांधी इंफाल एयरपोर्ट पहुंचे। शाम में वह राज्यपाल से मिलेंगे।

जिरिबाम में पीड़ितों से मिलने के बाद राहुल गांधी चुराचांदपुर जिले में तुइबोंग के मंडप पहुंचे। यहां उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मुलाकात की।

राहुल गांधी तीसरी बार मणिपुर का दौरा कर रहे हैं। राज्य में पिछले साल जातीय हिंसा शुरू होने के बाद जून 2023 में वह मणिपुर आए थे और इस साल की शुरुआत में उन्होंने भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत भी इसी राज्य से की थी। मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं।

मुंबई में 6 घंटे में 300 द्वद्व बारिश:50 फ्लाइट्स, 5 ट्रेन कैंसिल, स्कूल-कॉलेज बंद

चारधाम में 6,000 श्रद्धालु फंसे; 11 राज्यों में तेज बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में रविवार देर रात 1 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक छह घंटों में करीब 300 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इस कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। तेज बारिश के चलते मुंबई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी भी घटी। रात 2:22 बजे से सुबह 11 बजे तक की 50 फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ा।

इनमें से 42 फ्लाइट्स इंडिगो, 6 फ्लाइट्स एअर इंडिया और 2 फ्लाइट्स अन्य एयरलाइंस की हैं। रेलवे ने बताया कि ट्रैक पर पानी भरने के कारण मुंबई डिवीजन की 5 ट्रेन कैंसिल कर दी गईं। वहीं कुछ लोकल ट्रेन भी कई घंटों की देरी से चल रही हैं। मुंबई में क्र्रष्ट ने सरकारी और प्राइवेट स्कूल-कॉलेजों में आज के लिए छुट्टी घोषित कर दी है।

वहीं, महाराष्ट्र के रायगढ़ फोर्ट में सोमवार सुबह 3 बजे से तेज बारिश हो रही है। इस कारण फोर्ट की सीढ़ी पर तेज रफ्तार से पानी बह रहा है। कई पर्यटक फोर्ट में ऊपर ही फंसे हुए हैं। इस बीच सीएम एकनाथ शिंदे ने लोगों से अपील की है कि जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें।

मौसम विभाग ने आज 11 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में पिछले 4 दिनों से जारी तेज बारिश के चलते केदारनाथ, बद्रीनाथ हाईवे समेत 115 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं।

कई रास्ते लैंडस्लाइड की वजह से तो कुछ बह जाने के कारण बंद हो गए। इसके बाद चार धाम यात्रा रोक दी गई। इससे जगह-जगह 6 हजार श्रद्धालु फंसे हैं। गंगा, समेत 6 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं।

रूस दौरे पर रवाना हुए पीएम मोदी, बोले- दोस्त पुतिन के साथ सहयोग पर समीक्षा को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे के लिए रवाना हो गए। इस दौरे से पहले पीएम मोदी ने भारत-रूस के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी पिछले दस वर्षों में आगे बढ़ी है। मॉस्को दौरे से पहले पीएम मोदी ने कहा, मैं अपने मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए उत्सुक हूं। रूस के अलावा पीएम मोदी ऑस्ट्रिया दौरे पर भी जाएंगे। उन्होंने ऑस्ट्रिया को भारत का दृढ़ और विश्वसनीय भागीदार बताया। पीएम मोदी ने कहा, हम लोकतंत्र के आदर्शों को साझा करते हैं। मैं नए क्षेत्रों में हमारी साझेदारी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने की आशा करता हूं।

पीएम मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस की अपनी दो दिवसीय

आधिकारिक यात्रा के दौरान अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री तीन दिन रूस और ऑस्ट्रिया में रहेंगे। उनकी ये यात्राएं उन देशों के साथ संबंधों को गहरा करने का अवसर है, जिनके साथ भारत की परखी हुई दोस्ती है। उन्होंने कहा, मैं इन देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।

सीएम हेमंत सोरेन ने विधानसभा में हासिल किया विश्वास मत

45 विधायकों ने दिया साथ

रांची (एजेंसी)। राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभालने वाले हेमंत सोरेन सोमवार को विधानसभा में विश्वास मत पेश किया। विपक्ष के जोरदार हंगामे और वॉकआउट के बीच सीएम सोरेन ने विश्वास मत जीत लिया।बता दें, झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एक घंटे का समय आवंटित किया था।

इतने लोगों ने दिया साथ

81 सदस्यीय विधानसभा में कुल 45 विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। वहीं, निर्दलीय विधायक सरयू राय ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के विधायक वोटिंग के लिए गिनती शुरू होते

ही सदन से बाहर चले गए। भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष में भाजपा के 24 और आजसू पार्टी के तीन विधायक हैं।

सरकार के खिलाफ विरोध

इस बीच, रांची विधानसभा के बाहर भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार के खिलाफप्रदर्शन किया।

इससे पहले, भाजपा सदस्य विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो से विधायक भानु प्रताप साही को बोलने की अनुमति देने की मांग को लेकर आसन के समीप आ गए थे। हालांकि, महतो ने उनकी मांग अस्वीकार कर दी। विश्वास प्रस्ताव पर मतदान के दौरान 75 विधायक सदन में मौजूद थे। निर्दलीय सदस्य सरयू राय ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया।

झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शामिल हैं, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के एकमात्र विधायक उसे बाहर से समर्थन दे रहे हैं।

झामुमो नीत गठबंधन के सदस्यों की संख्या घटकर 45 रह गई

लोकसभा चुनाव के बाद 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में झामुमो नीत गठबंधन के सदस्यों की संख्या घटकर 45 रह गई है, जिसमें झामुमो के 27, कांग्रेस के 17 और राजद का एक विधायक शामिल है।झामुमो के दो विधायक-नलिन सोरेन और जोबा माझी अब सांसद बन चुके हैं, जबकि जामा से विधायक सीता सोरेन ने भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया था। झामुमो ने दो और सदस्यों-बिशुनपुर से विधायक चमरा लिंडा और बोरियो से विधायक लोबिन हेम्ब्रोम को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

इसी तरह, विधानसभा में भाजपा सदस्यों की संख्या घटकर 24 हो गई है, क्योंकि उसके दो विधायक-ढुलू महतो (बाघमारा) और मनीष जायसवाल (हजारीबाग) अब सांसद बन गए हैं। वहीं, पार्टी ने मांडू से विधायक जयप्रकाश भाई पटेल को कांग्रेस में शामिल होने के बाद निष्कासित कर दिया था।

कटौती सांय-सांय अऊ बिल आवत हे आंय-बांय- भूपेश

'बिजली बिल से लग रहा 440 वोल्ट का झटका', लालटेन लेकर पहुंचे पूर्व सीएम भूपेश

रायपुरब (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने बिजली में कटौती और बिल में बढ़ोतरी को लेकर सोमवार को प्रदेशस्तरीय धरना दिया। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि बिजली बिल देखकर लोगों को 440 वोल्ट का झटका लग रहा है। अघोषित बिजली कटौती और दरों में बढ़ोतरी से जनता परेशान है।

छत्तीसगढ़ सरपल्स बिजली वाला राज्य है। दूसरे राज्यों को यहां से ऊर्जा मिल रही है। बावजूद प्रदेश में सांय-सांय बिजली कटौती हो रही है और साथ ही बिजली के बिल दोगुने से भी अधिक आ रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

ने कहा कि आधे भारत को छत्तीसगढ़ से कोयले की आपूर्ति होती है, लेकिन छत्तीसगढ़ में ही बिजली कटौती हो रही है। यहां बिजली का बिल आसपास के राज्यों से ज्यादा है। किसान, आम उपभोक्ता, व्यापारी, हर कोई परेशान है। बिजली कटौती हो रही है और बिजली का बिल भी डेढ़ गुना आ रहा है। इस राज्य की स्थिति 'बिजली गुल मीटर चालू' जैसी है। उन्होंने कहा कि साय सरकार को इसका संज्ञान लेना चाहिए, नहीं तो और बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

कांग्रेस ने किया पूरे प्रदेशभर में प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ में बिजली कटौती और बिल में बेतहाशा वृद्धि को लेकर कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं के नेतृत्व में प्रदेशभर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन जारी है। बिजली कटौती और बिल में वृद्धि पर भूपेश बघेल ने कहा कि बिजली कटौती और दरों में वृद्धि से हर कोई परेशान है। लोगों को बिजली मिल नहीं रही, बिल ज्यादा आ रहा है। बिल देखकर 440 वोल्ट का झटका लग रहा है। विरोध में सभी ब्लॉकों में प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर सरकार नहीं सुधरी तो ईंट से ईंट बजा देंगे।

सरकारी विभागों में कहीं ठीक से काम नहीं

राजस्व पखवाड़े में पटवारियों की हड़ताल पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि सभी विभागों में यही स्थिति बनी हुई है। कौन सा विभाग ऐसा है, जहां काम ठीक से चल रहा है। हर विभाग में ऐसी ही स्थिति बनी हुई है और आए दिन हो रही हत्या लूट की घटनाओं से लोग त्रस्त है। जीएसटी विभाग व्यापारियों को प्रताड़ित कर रहा है। बिजली नहीं मिलने से किसान परेशान हैं।

कोयला घोटाला: रानू साहू और दीपेश टांक को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोल स्कैम में गिरफ्तार निलंबित आईएएस अधिकारी रानू साहू को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। कोयला घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें 2022 में गिरफ्तार किया था।

बिलासपुर हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद रानू साहू ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें राहत तो मिली, लेकिन उसके बाद भी वह जेल से बाहर आएंगी या नहीं इस पर भी संशय है। कोल स्कैम में ईओडब्ल्यू/एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति का नया अपराध दर्ज किया है। रानू साहू के अलावा दीपेश टांक को भी सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। देश की शीर्ष अदालत ने पूर्व कलेक्टर व निलंबित आईएएस रानू साहू को अंतरिम जमानत दे दी, लेकिन वह जेल से बाहर नहीं आ पाएंगी ऐसा कानूनी जानकार बता रहे हैं। कोयला घोटाले में छत्तीसगढ़ के एसीबी ने ही रानू साहू को आरोपी बनाया है। इसके अलावा एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा भी दर्ज कर किया है। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत के बाद भी रानू साहू का जेल से छूटना संभव नहीं होगा। निलंबित आईएएस रानू साहू पर वर्ष 2015 से 2022 तक करीब 4 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति स्वयं और अपने पारिवारिक सदस्यों के नाम पर खरीदने का आरोप है।

25 रुपये प्रति टन कोल लेवी वसूल किया

बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने 21 जुलाई 2023 को निलंबित आईएएस रानू साहू के देवेंद्र नगर स्थित सरकारी आवास पर छापा मारा था। करीब चौबीस घंटे की जांच के बाद ईडी ने 22 जुलाई 2023 की सुबह उन्हें गिरफ्तार किया था। 21 जुलाई को रानू साहू के यहां दूसरी बार छापा पड़ा था। इससे पहले रायगढ़ कलेक्टर रहने के दौरान ईडी ने उनके रायगढ़ स्थित बंगले सहित अन्य स्थानों पर छापा मारा था। ईडी के मुताबिक कोयला कोरबारी सूर्यकांत तिवारी के साथ मिलकर आईएएस रानू साहू, सौम्या चौरसिया और समीर विश्नोई ने कोयले पर 25 रुपये प्रति टन लेवी वसूल किया है।

संक्षिप्त समाचार

रथयात्रा पर भगवान जगन्नाथ ने बलभद्र, सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण किया, दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग में रथयात्रा पर्व धूमधाम से मनाया गया ।कई वर्षो से यहां रथ यात्रा विभिन्न मंदिरों से निकलती है,जो शहर भ्रमण करके वापस अपने विराजित स्थान मे विराजमान हो जाते है ।शाम होते ही शहर के प्रसिद्ध स्थल मां चंडी,प्राचीन मंदिर बड़े मठ मंदिर छोटे मठ मंदिर,शिव मंदिर पंचमुखीहनुमान , राम मंदिर का दर्शन करते हुए शहर भ्रमण करते हुए अपने स्थान पर पहुंचते है । रास्ते भर रथयात्रा के दर्शन के लिए लोगो का मेला लगा रहा ,और अंकुरित प्रसाद ग्रहण कर आनंद लिया । दुर्ग में आमदी मंदिर के रथयात्रा का अपना एक अलग इतिहास रहा है,राय साहब दाऊ माधो प्रसाद चंद्राकार एवम् गजराबाई चंद्राकार निजी न्यास धर्मशाला,दुर्ग समिति द्वारा गत उन्नीस सौ चालीस से रथयात्रा निकाली जा रही है ।दुर्ग के किल्ला मंदिर में भी कई वर्षो से रथ यात्रा निकाली जा रही है ।राम मंदिरसमिति ने भी विगत तीन वर्षो से रथयात्रा निकालना शुरू किया है ।इस रथयात्रा के दर्शन के लिए शहर के अलावा आसपास के गावों से भी लोग यहां आते है । आमदी मंदिर में पूजा अर्चनाके पश्चात दोपहर बाद रथ में सवार भगवान जगन्नाथ बलभद्र, एवम् सुभद्रा माता को नगर भ्रमण कराया गया ।शुरू में न्यास समिति के सदस्यों ने पूजा अर्चना की,जिसमे मातृ शक्तियों के साथ ही दुर्ग लोक सभाक्षेत्र के संसद विजय बघेल विधायक ललित चंद्रकार, महापौर धीराज बाकलीवाल,पूर्व महापौर चंद्राकार,पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकार,सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आमदी धर्मशाला समिति के अनुसार दुर्ग में भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा निकालने की शुरुवात 1940 में श्रीमती गजरा बाई चंद्राकर द्वारा आमदी मंदिर से हुई तब से भव्य रथ यात्रा प्रति वर्ष निकल रही है इस यात्रा में भगवान जगन्नाथ का रथ खीचने के लिये नगर के श्रद्धालुओं सहित आमदी धर्मशाला समिति के डॉ. बी. एल. चंद्राकर (अध्यक्ष), डॉ. विशाल चंद्राकर, दामोदर चंद्राकर, हिरामणी चंद्राकर, लक्ष्मण चंद्राकर, बलदाऊ चंद्राकर, योगी चंद्राकर, विजय चंद्राकर, प्रताप चंद्राकर, चंद चंद्राकर, नितिश चंद्राकर, नरेश चंद्राकर, सतीश चंद्राकर, अरविंद चंद्राकर, कुणाल चंद्राकर, क्षितिज चंद्राकर, अजय चंद्राकर, संजय चंद्राकर, अमित, लाली, प्रियंक चंद्राकर। महिला सदस्यों में अरुंधती चंद्राकर, विद्या चंद्राकर, अंबिका चंद्राकर, हेमनंदनी चंद्राकर, उर्वशी चंद्राकर, भारती चंद्राकर, रमा चंद्राकर, प्रमिला चंद्राकर, सुषमा चंद्राकर, अराधनाचंद्राकर, दिपीका सिंगरौल आदि ने रथ को नगर भ्रमण के लिए रवाना किये ।

जनदर्शन में सुनी गई 29 आवेदकों की मांग एवं समस्याएं

महासमुंद(समय दर्शन)। कलेक्ट्रेट में आयोजित जन चौपाल में आज जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस. आलोक ने आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुना तथा प्रकरणों से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जन चौपाल में 29 आवेदन आए जिसमें संबंधितों को भेजकर कार्यवाही के निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मनोज खांडे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जन चौपाल में सीईओ एस. आलोक ने विद्युत बिलों में सुधार, अतिक्रमण हटाने, प्रधानमंत्री आवास की लंबित राशि, श्रम कार्ड पंजीयन में संशोधन और सीमांकन से संबंधित आवेदनों पर गंभीरता पूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

जन समस्या निवारण शिविर 10 को

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र में जन समस्या निवारण शिविर अलग-अलग वार्ड में लगाया जाएगा। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्ग दर्शन में पहला शिविर 10 जुलाई बुधवार को पुरैना के सामुदायिक भवन में आयोजित है। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक चलने वाले शिविर में आम नागरिक अतिक्रमण, राजस्व से संबंधित, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाईट, भवन अनुज्ञा, नल कनेक्शन, पेंशन से संबंधित, प्रधानमंत्री आवास, राशन कार्ड, पी.एम. स्वनिधि, लखपति दीदी ऋण से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

श्रीराम जानकी मंदिर नगपुरा के नाम भूमि को महंत द्वारा फर्जी तरीके से बेचे जाने के खिलाफ ग्रामीणों ने की पुलिस चौकी में शिकायत

दुर्ग (समय दर्शन)। श्रीराम जानकी मंदिर नगपुरा के जमीन को महंत धर्मेंद्र दास द्वारा फर्जी तरीके से विक्रय किये जाने के सम्बन्ध में ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी नगपुरा को ज्ञापन सौप कर मामले की जांच कर महंत के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग की है । उपस्थित ग्रामीणों ने कार्यवाही नहीं होने पर उग्र प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

बता दे कि राम जानकी मंदिर ग्राम नगपुरा में भगवान राम के नाम पर कृषि भूमि स्थित है। उक्त कृषि भूमि को आवेदक गोविंद देवांगन के पूर्वजों के द्वारा मंदिर बनाकर उसमें स्थापित मूर्ति के नाम पर रजिस्टर्ड दान पत्र के द्वारा वर्ष 1945 में मंदिर के सरवराकार गोविंद के पिता स्व. बुधुसाव देवांगन द्वारा दिया गया था। जिसे फर्जी महंत धर्मेन्द्र दास के द्वारा अपना नाम राजस्व अभिलेख पर दर्ज कराकर मूर्ति के नाम भूमि को अपने स्वामित्व की भूमि बताकर कई व्यक्तियों को कलेक्टर से अनुमति लिये बगैर पंजीयक कार्यालय दुर्ग से सांठ-गांठ कर विक्रय कर रहा है। जबकि वास्तविकता यह है कि पंजीयक कार्यालय दुर्ग के माध्यम से फर्जी महंत धर्मेन्द्र दास के द्वारा जिन-जिन

व्यक्तियों को मूर्ति की नाम पर पटवारी रिकार्ड में दर्ज भूमि को विक्रय किया है उनका नामांतरण को अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, संभागायुक्त दुर्ग, राजस्व मण्डल रायपुर के द्वारा खारिज कर दिया गया है। तथा उपरोक्त आदेश में महंत धर्मेन्द्र दास को यह स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया है कि मंदिर की भूमि को कलेक्टर के अनुमति के बिना विक्रय नहीं किया जा सकता है । जिसके बावजूद महंत धर्मेन्द्र दास कलेक्टर से अनुमति ना लेकर कई व्यक्तियों से मंदिर की भूमि को अपनी भूमि बताकर विक्रय कर रकम ऐंठ लिया है। जबकि वास्तविकता यह है कि ग्राम नगपुरा के राम जानकी मंदिर के स्वामित्व के भूमि का देख-रेख एवं व्यवस्था सरवराकार स्व. बुधु साव देवांगन के सुपुत्र द्वारा ग्रामवासी नगपुरा के मदद से किया जा रहा है। पुलिस को सौपे ज्ञापन में कहा गया कि हम ग्राम वासी महंत धर्मेन्द्र दास के विरूद्ध कार्यवाही चाहते है। कृप्या हमारे शिकायत पर महंत धर्मेन्द्र दास के विरुद्ध जांच कर अपराध दर्ज किया जावे।

ज्ञापन सौंपने वालों में दानदाता परिवार के गोविन्द देवांगन के नेतृत्व में अंजोरा मंडल अध्यक्ष भाजपा गिरेश साहू, उप सरपंच इतवारी निषाद, पूर्व सरपंच सुकदेव देवांगन, भागी राम देवांगन, धनराज धनकर, बिसोहा धनकर, श्याम निषाद, राजू गोस्वामी, दुश्यंत निर्मलकर रसमड़ा, भुवन देवांगन, गयाराम, हेमचंद धनकर, बिसाहू सिन्हा, गोपी सिन्हा, दिलीप यादव, मुकेश मांडले, रमेश देवांगन, शिव देवांगन, ओमकार देवांगन, शिवनारायण निषाद,पप्पू गोस्वामी सहित अन्य शामिल है।

प्रदेश भाजपा सरकार का जनविरोधी रवैया और मनमानी बिजली का दाम बढ़ोतरी और ज्यादा बिजली कट करने के विरोध करते हुए बचेली कांग्रेस कमेटी का आंदोलन

बचेली (समय दर्शन)। लोहनगरी बचेली में संगठन महामंत्री सलीम राजा उस्मानी , ब्लॉक अध्यक्ष संतोष दुबे, पार्षद फिरोज नवाब, किरण जयसवाल, दमयंती साहू रीना दुर्गा, मनोजसाहा, पूर्व एल्डरमैन, सुशीला निहाल, रघु कुमार, ब्रह्मा सोनानी , जीएस कुमार, संजीव साव , पंकज बनीक, नरसिम्हा रेड्डी, देवेन नायक, राजेंद्र, सूरेश झाड़ी युवा कांग्रेस अजय यूइके ,सलमान नवाब, सुनील गायन एवं समस्त कांग्रेस जन ने आज बचेली के मुख्य मार्ग पे एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। आज का धरना प्रदर्शन में छतीसगढ़ की भाजपा सरकार का दमनकारी नीति से प्रदेश की जनता बेहद आहत है आए दिन

और बिजली कटौती से बेहाल जनता और बिजली का बिल आसमान छू रहा है और बिजली बढ़ोतरी के कारण ही अन्य सभी सामानों पे लगातार बढ़ोतरी से प्रदेश की जनता हलाकान है। कांग्रेस कमेटी ने चेतावनी दिया है की जल्द से जल्द बढ़ी दाम को कम करे और बिजली कटौती को कम करे अन्यथा बड़ा आंदोलन का रुख अपनाया जाएगा और प्रदेश कांग्रेस कमेटी हमेशा आम जनता के लिए समर्पित है।

निर्माणाधीन बाल वाटिका के गुणवत्ताहीन निर्माण की कलेक्टर से शिकायत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। डोंगरगांव जनपद सभापति चंद्रिका रोहित सोनकर ने ग्राम अमलीडीह में पीएमश्री योजना के तहत निर्माणाधीन बाल वाटिका के गुणवत्ताहीन निर्माण की शिकायत कलेक्टर से की है। श्रीमती सोनकर ने कहा कि, केंद्र की महत्वकांक्षी योजना का बंटाधार किया जा रहा है। इस निर्माण में स्टीमेट अनुसार कार्य नहीं किए जाने पर कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि, यह निर्माण प्रभारी सरपंच रोशन साहू द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों में भी इस गुणवत्ताहीन कार्य को लेकर गहरी नाराजगी है। जनपद सभापति ने आरोप लगाया है कि, ग्राम अमलीडीह में 8.07 लाख की

लागत से बनाए जा रहे बाल वाटिका के निर्माण में गंभीर अनियमितता बरती जा रही है। यहां स्टीमेट के अनुसार पटाव के लिए मुरुम की जगह मिट्टी का इस्तेमाल हो रहा है। प्लींथ बीम में सरिया का उपयोग कम करने काफी दूरी रखी जा रही है, जो की अनुचित है और इससे निर्माण कमजोर होगा। कॉलम जाली में भी सही कार्य नहीं किया जा रहा है। श्रीमती सोनकर ने स्टीमेट के विरुद्ध किए जा रहे निर्माण को तत्काल रोक कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि, नौनिहालों के लिए केंद्र की योजना से स्वीकृत राशि का ऐसा दुरुपयोग किया जाना बड़ा अपराध है। उन्होंने इस पर कलेक्टर से संज्ञान लेने की मांग की है।

सख्ती से सुधारने में जुटा निगम:अब सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा फेंकते, पकड़े गए तो 500 से 1000 रुपये तक देना पड़ सकता है जुर्माना

हम सुधरें तो शहर सुधरेगा:निगम ने लोगों से संग्राहक वाहन में ही कचड़ा डालने की अपील:

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश और स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के नेतृत्व में शहर को साफकरने के लिए आज निगम स्वास्थ्य विभाग अमला द्वारा वार्ड क्रमांक 57 उरला संगम चौक,वार्ड क्रमांक 04 गया नगर और सिविल लाइन मानव भवन के पास सहित वार्ड 20 क्षेत्र के अलावा आदि स्थानों पर पूरा मुक्कड़ की सफाई करके जीवीपी सफाई स्थानों पर ह्ह त्ड्क्क क्ह्ढ्ढह्ज्ञ खुले में कूड़ा फेंकना दण्डनीय अपराध है ऐसा करते पाए जाने पर कार्यवाही की जावेगी की चेतावनी बोर्ड लगाया गया है ।अब सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा फेंकने पर, पकड़े गए तो लग सकता है जुर्माना कहीं भी कचरा फेंक देते हैं तो अब जरा संभल जाएं ।ऐसा करने पर आपको 500 से 1000 रुपये तक जुर्माना देना पड़ सकता है। नगर निगम की ओर से ऐसा प्रावधान पहले से ही है ।अगर आप खुले में कहीं भी कचरा फेंक देते हैं तो जरा संभल जाएं ।हम सुधरें तो शहर सुधरेगा,नगर निगम के लोगों से संग्राहक वाहन में ही कचड़ा डालने की अपील की गई सख्ती से सुधारने में जुटा नगर निगम खुले में कचरा फेंकने वालों पर कार्रवाई की तैयारी कर ली है ।लोगो के दौरा इधर-उधर कचरा फेंकने से साफ की जगह गंदा हो रहा शहर ।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा लोगो से अपील में कहा कि सड़क के किनारे लगाने वाले फल दुकानदार फलों का छिलका डस्टबिन में डाले, सड़क किनारे न फेंक ।एकत्रित कर निगम के वाहन को दे ।और शहरवासियों को भी सफाई का रखना होगा ।शहरवासिया को सफाई का रखना होगा ख्याल अपने शहर को साफरखने में आम लोगों को भी आगे आना होगा। जब आप घर से कूड़ा फेंकने के लिए बाहर निकलते हैं तो डस्टबिन में डालें और इधर-उधर नही फेंके ।सड़क आसपास साफ-सुथरा रहेगा ।लोगों से अपील है कि शहर आपका है इसे स्वच्छ रखने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें ।.कूड़ादान सही स्थान पर रखा गया है। लोग सड़क पर कचरा फेंक देते है। सड़क पर कचरा नहीं फेंकने को लेकर नगर निगम के वाहनों से शहर में प्रचार प्रसार किया जा रहा है ।ताकि लोग डस्टबिन में ही कचरा रखे और सुबह वार्डो में नगर निगम के द्वारा संग्राहक वाहन एकत्रित कचरा लेने निकलती है,अपना एकत्रित कचड़ा को निगम के वाहन में डाले ।इससे शहर साफ रहेगा।

ओ पी बंजारे का पूरा सोशल अकाउंट देखिए, समझ आ जाएगा आग कहां लगी है

बिलासपुर (समय दर्शन)। 10 जून बलौदाबाजार जिले में सरकारी संपत्ति जलाने की घटना हुई थी। 7 जुलाई भीम आर्मी का जांजगीर पूर्व जिला अध्यक्ष को पुलिस ने हिरासत में लिया। आगजनी की घटना के बाद से अब तक 159 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। भीम आर्मी एक पंजीकृत संस्था बताई जाती है। राष्ट्रीय स्तर पर इसका नेतृत्व उत्तर प्रदेश चंद्रशेखर आजाद के हाथों में रहा है। आजाद समाज पार्टी इसी से निकलकर पंजीकृत हुई, ओमप्रकाश बंजारे पर उत्तेजक भाषण देने, आज जानी करने कराने, भीड़ को हिंसा के लिए उसकाने जैसे आरोप है।

ओमप्रकाश बंजारे का एक्सअकाउंट जो कुछ बताता है उसकी बानगी देखिए। मैं इतिहास रटने नहीं इतिहास रचने आया हूं, भाई जान पूरे भारत में लॉ एंड ऑर्डर संभाल पाना मुश्किल हो जाएगा। आप आदेश तो दो यह ट्यूट 30 जुलाई 2023 का है। प्रोफाइल में लगी हुई फोटो तलवार की नोक रोड पर धसाते हुए एमजी हेक्टर जैसी महंगी कार के सामने यह कौन से लॉ स्टूडेंट है। इसी

प्रोफाइल में बंजारे एक लग्जरी होटल के कमरे में हाथों में दो मोबाइल और पलंग पर दो वॉकी-टॉकी के साथ फोटो शेयर करता है यह कौन सी आर्मी है। जिसमें संगठन के सदस्य के साथ चार बाउंसर हमेशा काले रंग का सफारी पहन कर कमर में वॉकी-टॉकी खोसे दिखाई देते हैं। ओमप्रकाश बंजारे का प्रोफाइल बताता है कि वह नागपुर से दिल्ली तक पिछले 3 साल से सक्रिय है। लॉ की पढ़ाई कब करता था...? फेसबुक प्रोफाइल में जुलाई माह के उसे आंदोलन के भी फोटो हैं जब राजधानी रायपुर में एससी वर्ग के युवाओं ने भौंडा नग्न प्रदर्शन किया था। लगता है बलौदाबाजार की घटना अचानक नहीं हुई भीम आर्मी इस तरह के प्रदर्शन के लिए काफी साल से नीति बना रही है। बंजारे एक हाथ में तलवार लेकर फोटो खिंचवाना और फिर दार्शनिक चिंतक बुद्ध की मूर्ति के सामने ध्यान मुद्रा यह कैसे संभव है। एक तरफभारत देश के एल ओ पी डरो मत डराओ मत का संदेश देते हैं और भीम आदमी तलवार की नोक पर समाज में भाई का वातावरण बनती है।

पाटन के अखरा से निकला भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा

पाटन (समय दर्शन)। रथयात्रा का विशेष महत्त्व है- जो व्यक्ति भगवान के नाम का कीर्तन करता हुआ रथयात्रा में शामिल होता है। उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती है। भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा में भाग लेने मात्र से ही संतान संबंधी समस्याएं दूर हो जाती है। वे लोग तो परम सौभाग्यशाली है,जिन्होंने श्रद्धा पूर्वक अपने हाथों से भगवान जगन्नाथ जी की रथ खीचकर 100 यज्ञों के बराबर पुण्य का लाभ प्राप्त किया।*

इस वर्ष आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि 07 जुलाई 2024 रविवार को जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट एवं छ. ग.म.कुर्मी समाज पाटन राज के संयुक्त तत्वावधान में रथयात्रा का पर्व काफी हर्षोल्लास के साथ युवा एवं महिला कार्यकर्ताओं तथा नगर के हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।सबसे पहले प्रातः 10 बजे विधिवत रूप से मंदिर परिसर में सत्यनारायण पूजा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।पूजा में मुख्य रूप में विजय बघेल ,सांसद दुर्ग लोकसभा, अमरचंद वर्मा, मुख्य न्यासी मंदिर ट्रस्ट, भूपेन्द्र कश्यप ,अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन, युगल किशोर आडिल राजप्रधान पाटन राज, देवप्रसाद वर्मा उपाध्यक्ष,केदार कश्यप सचिव, कौशल आडिल कोषाध्यक्ष, रूपेंद्र वर्मा,महेंद्र वर्मा,सीताराम वर्मा,मेहत्तर वर्मा,शरद बघेल,डॉ. श्याम वर्मा,वेदनारायन

वर्मा, शैल कश्यप,भारती वर्मा,मीना वर्मा,सहित भारी संख्या में श्रद्धालु पूजा में शामिल हुए। अतिथियों के द्वारा छेरा पहरा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस वर्ष महाप्रभु भगवान जगन्नाथ, भैया बलभद्र एवं बहन सुभद्रा नए कलेवर के साथ नए एवं भव्य आकर्षक रथ पर जय जय जगन्नाथ की जयघोष के साथ विराजमान हुए और हजारों श्रद्धालु इसके साक्षी बने। इस बार रथयात्रा को ऐतिहासिक एवं आकर्षक बनाने के लिए युवा टीम की ओर से बैंड बाजे के साथ साथ भव्य आतिशबाजी किया गया। इसके अतिरिक्त जगन्नाथ मंदिर परिसर, आत्मानंद चौक एवं पुराना बाजार चौक में दर्शनार्थियों के लिए महाभोग (खिचडी) का वितरण किया गया था। श्रद्धालु बैंड नगाड़ो के बीच मंत्र मुग्ध होकर थिरकते नजर आए.... इसके बाद महाप्रभु भगवान जगन्नाथ जी की रथ को दर्शन के लिए मन्दिर की रुट चार्ट के अनुसार अखरा से आजाद चौक होते हुए अटारी खोरपा पाटन पुराना बाजार चौक से आत्मानंद चौक होते हुए इंदिरा नगर(उड़िया बस्ती) से कुर्मी भवन भाठापारा अखरा होते हुए भगवान जगन्नाथ जी की रथ पुन:मंदिर परिसर में प्रवेश किया। व्यवस्था बनाने में पुलिस प्रशासन के साथ साथ युवा ब्रिगेड- राकेश आडिल,जस्सू वर्मा,विपिन बंछोर, नीलमणी वर्मा, रंजना वर्मा, काजल वर्मा, नागेन्द्र वर्मा, बाबा वर्मा,दानेश्वर वर्मा,ब्रिगेडियर विजय कश्यप, आशाराम वर्मा,अभिषेक कश्यप, बलदाऊ वर्मा,कमलेश वर्मा,रमन टिकरिहा,पूरेन्द्र वर्मा,ललित बिजौरा, बीरेंद्र वर्मा,प्रकाश बिजौरा, लीलेश वर्मा,लीलाधर वर्मा, बीरेंद्र बंछोर, बृजराज वर्मा,उदय वर्मा, भूषण वर्मा, टोपेन्द्र वर्मा सहित अन्य स्वजतियो का स्वस्फूर्त सहयोग मिला। उपरोक्त जानकारी मंदिर ट्रस्ट के सचिव एवं मीडिया प्रभारी केदार कश्यप ने दी।

सार समाचार

अर्पण दिव्यांग स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

रायपुर(समय दर्शन)। अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल बजाज कालोनी, सेक्टर 1, राजेन्द्र नगर में शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। अर्पण कल्याण समिति द्वारा संचालित स्कूल में नवप्रवेशित तथा पुराने विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। शाला प्रवेशोत्सव पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. अम्बा सेठी ने बच्चों से कहा कि दिव्यांगता को शारीरिक कमी मानकर सोचने की जरूरत नहीं है। ईश्वर ने जो अच्छी चीज दी है उस ओर ध्यान दिया जाए। डॉ. सेठी ने कहा कि रोज सुबह उठकर अपने आप को धन्यवाद दें। साथ ही वादा करें कि वे अच्छा इंसान बनेंगे। कार्यक्रम के अतिथि टपरी द चकाफे के संचालक इरफान अहमद ने बच्चों को बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा दी। अतिथि कुलविंदर कौर भाटिया लॉयन एमजेएफ ने योग शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि इन बच्चों का हौसला बढ़ाया जाना चाहिए। ये बच्चे दया के मोहताज नहीं है। इनकी सेवा ही प्रभु की सच्ची सेवा है। अतिथि मधु अरोड़ा अध्यक्ष महिला विंग छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स ने कहा चेम्बर हमेशा इस संस्थान व बच्चों के साथ खड़ा है जो भी जरूरत है उसे चेम्बर महिला विंग पूरा करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर निगम के सभापति व पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने कहा कि कि मूक-बधिर बच्चों का यह स्कूल वास्तव में शांति व सुकून का स्थान है। ये बच्चे भले ही बोल व सुन नहीं सकते लेकिन इनका दिमाग काफी तेज है। इनमें टैलेंट कूट-कूट कर भरा है। सबक को जल्दी सीख जाते हैं। स्कूल व हॉस्टल में इनके पौष्टिक व सुस्वादु भोजन तथा सेहत का विशेष खयाल रखा जाता है। कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्राचार्य कमलेश शुक्ला ने दिया। स्कूल के निदेशक डॉ. राकेश पाण्डेय ने बच्चों के उपचार व स्कूल की गतिविधियों की जानकारी दी। इससे पूर्व बच्चों को विशेष उपहार तथा जूते देकर मिठाई खिलाई गई। आभार प्रदर्शन संस्था के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा ने किया। ज्ञात हो कि इस स्कूल में मूक बधिर बच्चों को साइन लेंग्वेज में शिक्षा दी जाती है। यहां बच्चों से किसी प्रकार शुल्क नहीं लिया जाता है। हॉस्टल की भी व्यवस्था है। बच्चों को भोजन, गणेवश, पुस्तक-किताब आदि मुफ्त में दिए जाते हैं। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष धनंजय त्रिपाठी, मृत्युंजय शुक्ला, दिनेश शुक्ला सहित चेम्बर महिला विंग की इला गुप्ता, आभा मिश्रा, रंजना अग्रवाल, रश्मि, अलका बोरकर, आद्या राठौड़, वैशाली राठोर, निकिता राठोर, सोमा घोष, नीलिमा दिवाकीर्ति, काजल लालवानी मौजूद थीं।

सरकारी स्कूलों में अब हर साल ग्रीष्मकालीन शिविर होंगे आयोजितः मुख्यमंत्री ने की घोषणा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्थानीय भाषाओं में प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर दिया जोर

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए बनेगा आवासीय विद्यालय

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का शुभारंभ राजधानी रायपुर के बजाय राज्य के सुदूर सीमावर्ती जशपुर जिले के आदिवासी बहुल गांव बगिया से करके न सिर्फ वर्षो से चली आ रही परंपरा को बदला है बल्कि इसके माध्यम से उन्होंने राज्य के सुदूर कोने तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है। मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर बगिया और बंदरचुआ के स्कूल को मॉडल स्कूल बनाने तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक आवासीय विद्यालय बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इस मौक पर एक पेड़ मां के नाम रोपित कर राज्यव्यापी वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की और लोगों से पौध रोपण के इस महायज्ञ में सहभागी बनने की भी अपील की। राज्य

स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में बालिका शिक्षा का बढ़ावा देने का संदेश दिया और स्कूली बालिकाओं को साइकिल प्रदान करके यह सुनिश्चित किया कि बालिकाओं को स्कूल आने जाने में किसी भी तरह का व्यवधान न आए और आगे की शिक्षा हासिल कर सकें। मुख्यमंत्री साय ने जशपुर सरकारी स्कूल की अटल टिंकरिंग लैब्स में से एक में रोबोटिक्स मॉडल विकसित करने वाले छात्र से बातचीत की। उन्होंने इस सुदूरवर्ती जिले में किये गये व्यावसायिक शिक्षा कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी के लिए कौशल और व्यावसायिक शिक्षा जरूरी है। इस मौके पर वह स्वयं छात्रों के साथ मिट्टी के बर्तन बनाकर यह संदेश भी दिया कि बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा भी दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने नई शिक्षा नीति की परिकल्पना के अनुसार स्थानीय भाषाओं में प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस क्षेत्र में बोली जाने वाली सदरी बोली भाषा में भी पाठ्य पुस्तकें तैयार करने की बात कहीं। छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में अब तक 18 स्थानीय भाषाओं-बोलियों में स्कूली बच्चों पुस्तकें तैयार की गई है। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग को नई शिक्षा नीति के अनुरूप मेगा पीटीएम आयोजित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने समर कैंप के दौरान छात्रों द्वारा किए गए कार्य को देखकर प्रसन्नता जताई और सरकारी स्कूलों में हर साल ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए राज्य सरकार इस साल से दो बोर्ड परीक्षाएं आयोजित होंगी।

मुख्यमंत्री को डॉ पंकज द्विवेदी ने भेंट की अपनी स्वरचित किताब द पॉसिबिलिटी

मुख्यमंत्री ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज यहां उनके निवास कार्यालय में रायपुर के होराइज़न हॉस्पिटल के संचालक डॉ पंकज द्विवेदी ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को डॉ पंकज द्विवेदी ने अपनी स्वरचित किताब श्द पॉसिबिलिटीश् की प्रति भेंट की और इस पुस्तक की विशेषताओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। डॉ पंकज ने बताया कि 'द पॉसिबिलिटी' का मुख्य उद्देश्य आत्मविश्वास के माध्यम से नई ऊंचाइयों को छूने और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने पर केंद्रित है। यह किताब व्यक्तिगत विकास और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डालती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने डॉक्टर पंकज द्विवेदी को उनकी किताब के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मकता से भरी किताब निश्चित रूप से पढ़ने योग्य है और विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणादायक साबित होगी। इस अवसर पर डॉण् क्षितिज द्विवेदीए श्री योगेश मिश्रा और श्री हेमंत शर्मा भी उपस्थित थे।

राज्य के पेंशनर्स को 4 प्रतिशत डीआर देने के लिए मध्यप्रदेश शासन से तुरन्त सहमति मांगें छत्तीसगढ़ सरकार - वीरेन्द्र नामदेव

वित्त मंत्री इसे संज्ञान में लेकर वित्त सचिव को जरूरी निर्देश दे

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने विगत जनवरी 24 से बकाया लंबित 4 प्रतिशत डीआर के आदेश जारी करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार को परम्परा के पालन में तुरंत पेंशनरों को महंगाई राहत किस्त के भुगतान हेतु सहमति लेने की प्रक्रिया में अनावश्यक विलम्ब न करते हुए मध्यप्रदेश को पत्र भेजने की मांग की है और इसके लिए वित्त मंत्री ओ पी चौधरी से इसे संज्ञान में लेकर वित्त सचिव को जरूरी निर्देश देने का आग्रह किया है। जारी विज्ञप्ति में उन्होंने आगे बताया है कि राज्य विभाजन

के बाद से पेंशनरों को महंगाई राहत (डीआर) की किस्त देने के लिए वित्त विभाग छत्तीसगढ़ शासन को आदेश जारी करने हेतु मध्य प्रदेश राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2000 के धारा 49(6) के परिपालन में दोनों राज्यों के बीच आपसी सहमति जरूरत होगी। जिसमें दोनों राज्यों के बीच 74:26 के अनुपात में बजट का आबंटन के बाद ही पेंशनर्स हेतु दोनों राज्यों में समान दर और समान तिथि से आदेश जारी होते हैं। जैसा कि हमेशा से होता आया है। इसलिए छत्तीसगढ़ सरकार को बिना देर किए मध्यप्रदेश शासन से सहमति हेतु पत्राचार करना चाहिए। जारी विज्ञप्ति में उन्होने कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य सरकार में हमेशा से यही होता रहा है कि कर्मचारियों का डीए आदेश जारी करने के बाद मध्यप्रदेश शासन से सहमति लेने देने की कवायद शुरू की जाती है। अलग अलग पार्टी की राज्य सरकारें होने के कारण सहमति देने लेने में जानबूझकर विलम्ब किया जाता रहा है। इसका खामियाजा दोनो राज्य में पेशनरों सदा भुगतना पड़ा है। सहमति लेने में ही 5 से 6 महीने का समय निकल जाता है चूंकि इस समय दोनों राज्यों में समान विचारधारा और एक ही पार्टी भाजपा की सरकार है इसलिए अब विलम्ब की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए, परन्तु ब्यूरोक्रेट का पेंशनरों के प्रति रहमोकरम होना भी जरूरी है वरना प्रकरण पर कार्यवाही लम्बित होना स्वाभाविक है। जैसे कि भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में होता रहा है। इसलिए प्रक्रिया को संज्ञान में लेकर वित्त मंत्री ओ पी चौधरी को वित्त विभाग के सचिव अंकित आनंद को निर्देश देकर तुरन्त सहमति हेतु मध्यप्रदेश से पत्राचार करने को कहना चाहिए।

खाद्य मंत्री ने नवागढ़ में जैतखाम निर्माण कार्य के लिए किया भूमि पूजन

रायपुर(समय दर्शन)। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने आज बेमेतरा जिले के नवागढ़ में अनुसूचित जाति प्राधिकरण मद से 99 लाख 31 हजार की लागत से निर्मित हाने वाली जैतखाम का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि बाबा गुरू घासीदास जी ने समाज को एकता, भाईचारे, तथा समरसता का संदेश दिया है। बाबा के आदर्शो पर चलने का प्रेरणा मिलती है। बाबा ने मनखे-मनखे एक समान का संदेश देकर समाज में ऊंच नीच के भेदभाव को मिटाने का प्रयास किया। गिरौदपुरी धाम में कुतुबमीनार से ऊंचा जैतखाम भी बनाया गया है। सतनामी समाज द्वारा नवागढ़ के सतनाम मंगल भवन में गुरु असम दास जी तेलासपुरी धाम खपरीडीह खुर्द के सानिध्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

शकुंतला फाउंडेशन के कैंसर जांच शिविर में 200 से ज्यादा महिलाओं ने कराई जांच

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की सामाजिक संस्था शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ ने बाल्को कैंसर अस्पताल के साथ मिलकर नि- शुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य महिलाओं में बढ़ते हुए कैंसर के मामलों को ध्यान में रखते हुए उन्हें जागरूक करना और उनकी जांच करना था। इस कैंसर जांच शिविर में रायपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों से भी महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं के लिए मेमोग्राफी और पेप स्मीयर जांच की सुविधा उपलब्ध थी। शिविर में लगभग सौ से अधिक महिलाओं ने अपनी जांच करवाई। संस्था ने आश्वासन दिया कि कुछ कैंसर पीड़ित महिलाओं को यथासंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। शकुंतला फाउंडेशन ने पहले भी कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को लेकर जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया है, जिससे मरीजों को राहत मिल सके। शिविर में दंतचिकित्सक डॉ. अभिषेक मिश्रा और रोशन शर्मा ने अपनी सेवाएं दीं और मरीजों के दांतों का चेकअप किया। बाल्को कैंसर अस्पताल से डॉ. दामिनी साहू, मार्केटिंग मैनेजर विजेन्द्र कुमार साहू, टेक्निशियन संजना, और नर्सिंग स्टाफ ममता नेताम, कल्पना वर्मा ने अपनी बेहतरीन सेवाएं दीं।

आइसा, केवाईएस और अन्य छात्र संगठनों के सदस्यों ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया.

महतारी वंदन योजना : समाज में महिलाओं का बढ़ता मान

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की महिलाओं में महतारी वंदन योजना को लेकर अपार उत्साह देखा जा रहा है। खास कर गरीब, मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग की महिलाओं को इस योजना से मिलने वाली राशि से काफी राहत मिली है। महिलाओं का कहना है कि इस योजना से महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान बढ़ गया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन का ही प्रतिफल है कि उन्हें समय पर महतारी वंदन योजना की राशि माह दर माह मिल रही है। महतारी वंदन योजना में इस माह 5वीं किश्त के रूप में एक-एक हजार रूपए की राशि मिली है। राशि के उपयोग से आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। यह राशि महिलाओं के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से पहुंच रही है। महिलाओं के खाते में राशि आने से परिवार में भी उनकी पूछ परख बढ़ गई है। धमतरी के कलेक्टोरेट परिसर में कैंटिन का संचालन करने वाली सहेली संघ स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती हेमा साहू ने बताया कि महतारी वंदन योजना से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को काफी फायदा हो रहा है। समूह की महिलाओं द्वारा अब नियमित रूप से आर्थिक गतिविधियों के लिए अपना योगदान दे पा रही हैं। श्रीमती हेमा ने यह भी कहा कि महतारी वंदन योजना से मिल रही राशि से महिलाएं अपने बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार बेहतर प्रबंध कर पा रही हैं। महिलाएं निजी जरूरतों, घरेलू आवश्यकताओं व दैनिक उपयोग की चीजों की खरीदी एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम हुई है। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी कर रही है। इससे महिलाओं में आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान में रोपा मौलश्री का पौधा

स्कूल में अहाता निर्माण, प्रार्थना शेड सहित प्रयोगशाला के लिए 30 लाख की मंजूरी

रायपुर(समय दर्शन)। वन विभाग और भारत स्काउट-गाइड के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय अर्जुनी, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में आयोजित वन महोत्सव में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा मुख्य अतिथि क़े रूप में शामिल हुए। मंत्री वर्मा ने विद्यालय परिवार के लोगों को पेड़ लगाने और बचाने क़े लिए संकल्प दिलाया तथा एक पेड़ माँ क़े नाम अभियान क़े तहत शाला परिसर में मौलश्री का पौधारोपित किया। इसके साथ ही 30.13 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया और स्कूल में अहाता निर्माण एवं प्रार्थना शेड हेतु 10 -10 लाख, पम्प हेतु 2 लाख,

प्रयोगशाला एवं शौचालय निर्माण हेतु 8 लाख रूपये देने की घोषणा की। राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ माँ क़े नाम पर लगाने का सन्देश दिया है। प्रधानमंत्री क़े सन्देश को जन -जन तक पहुँचाने और पर्यवारण की रक्षा क़े लिए सभी लोग अपनी माँ क़े नाम पर माँ क़े साथ पेड़ लगाएं । यदि माँ नहीं है तो उसकी स्मृति में पेड़ लगाएं। उन्होने कहा कि पेड़ लगाना आसान है, लेकिन उसका संरक्षण व देखभाल करते हुए बड़ा करना कठिन है। हमें कठिनाईयों का सामना करते हुए पेड़ को बचाना है। जल, जंगल और जमीन सलामत रहेंगे, तभी हमें प्राण वायु मिलेगा। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ को शांति और समृद्धि क़े रास्ते पर ले जाने क़े लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री साय क़े सन्देश का अनुपालन करना होगा। उन्होंने भारत स्काउट एवं गाइड क़े कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि सामजिक सद्भाव क़े साथ पर्यवारण बचाने क़े काम में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। भारत स्काउट एवं गाइड्स क़े प्रदेश उपाध्यक्ष विजय केशरवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री क़े आह्वान पर एक पेड़ माँ क़े नाम अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अपनी माँ क़े नाम पर एक पेड़ लगाना है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से माँ की आँचल बच्चे को शीतलता देती है उसी तरह बड़े होकर पेड़ हमें शीतल छाया प्रदान करेंगे। कार्यक्रम को पूर्व संसदीय सचिव डॉ सनम जांगड़े, स्काउट एवं गाइड क़े जिला अध्यक्ष रामाधार पटेल, स्काउटर खोड़स राम कश्यप ने भी सम्बोधित किया। वनमंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान क़े तहत जिले में 2 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसी तरह वृहद वृक्षारोपण अंतर्गत 55 हैक्टेयर में 65 हजार एवं नदी तट वृक्षारोपण अंतर्गत 50 हजार पौधे रोपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा किसान वृक्ष मित्र योजना की भी शुरुआत की गई है, जिसमें वाणिज्यिक प्रजाति क़े पौधे किसानों द्वारा अपने जमीन पर लगाए जाएंगे। 5 एकड़ से कम भूमि पर पेड़ लगाने पर शासन द्वारा शतप्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, वही 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में पेड़ लगाने पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। सेवा निवृत शिक्षक एवं स्काउटर का शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

संपादकीय

अधिकांश की प्रस्तुति सेक्सिस्ट

टीवी व प्रिंट मीडिया में इन दिनों आते कुछ विज्ञापनों को छोड़ दें तो अधिकांश की प्रस्तुति 'सेक्सिस्ट' नजर आती है जिनमें औरत अधिकाधिक बेध्य नजर आती है। इसे समझने के लिए हम कुछ उदाहरण देखें- एक खास ब्रांड की इलायची बेचनी होती है, वहां भी केसर फेंकने के लिए सुंदरी जरूरी होती है जो नाचती-गाती दिखती है। इसी तरह एक टूथपेस्ट बेचने के लिए एक हीरो नाचता हुआ आता है, और फिर कई लड़कों के साथ एक हीरोइन भी उसके साथ डांस करने लगती है, और वो ब्रांडेड टूथपेस्ट दिखने लगता है। लेकिन इन दिनों कुछ विज्ञापन बहुत ही आगे निकल गए दिखते हैं जैसे एक ब्रांड 'कंडोम' का विज्ञापन जिसमें लड़का लड़की के साथ दर्शकों से कहता है कि अपने पार्टनर से बात करके कंडोम तय करो..। यह विज्ञापन उस कंडोम विज्ञापन से बहुत आगे का है जो बरसों पहले एक अंग्रेजी पत्रिका में छपा था जिसमें नग्न हीरो-हीरोइन के 'नग्न' शरीरों पर अजगर लिपटा हुआ दिखता था। तब उसे लेकर मीडिया में बड़ा हल्ला हुआ था। लेकिन अब कंडोम के विज्ञापन किसी को नहीं हिलाते। उनको तक नहीं जो अपने को 'स्त्रीत्ववादी' कहते हैं और स्त्री की देह को किसी 'उपभोग्य वस्तु' की तरह दिखाने पर ऐतराज किया करते थे। कारण यह है कि इन दिनों बाजार की अतियों के खिलाफ कोई बंदा बोलता नहीं दिखता। आज का बाजार 'सेक्स संचालित' बाजार है। वस्तुओं के साथ हमको 'सेक्सिस्ट' नजरिया भी बेचा जाता है। यह अपने 'फ्री मारकेट' की 'सेक्सिस्ट कल्चर' की जीत है। बहुत कम विज्ञापन होते हैं जिनमें कोई सुंदर स्त्री या हीरोइन नहीं होती। इसका कारण 'मारकेटिंग की रणनीति' है जो मान कर चलती है कि स्त्री अगर 'सेल्स वूमन' हो तो चीज अच्छी बिकती है क्योंकि चीजों को खरीदने वाले अधिकतर मर्द ही होते हैं। अब हम कुछ नये ब्रांडेड 'कच्छा बनियानों' की मारकेटिंग के उदाहरण देखें- एक फिल्मी हीरो की शूटिंग का टाइम हो चुका है। सेट लगा है। वह लेट हो रहा है लेकिन वो येन केन दौड़ता-भागता किसी तरह सेट तक पहुंचता है तो वहां मौजूद लेडी बुदबुदाती है कि वो तो कभी लेट नहीं होता तो वो कहता है कि मैं हमेशा टाइम से पहुंचता हूं। अंत में लेडी कहने लगती है-'फिट है बॉस'! यह 'फिट है बॉस' यूं तो बनियान के लिए कहा जाता है लेकिन 'फिट' के मानी सिर्फ इतने नहीं दिखते। इसके भी 'डबल मानी' हैं। ऐसा ही एक विज्ञापन कुछ पहले आया करता था जो इस तरह से खुलता था - हीरो को कोई बताता है कि डालर का भाव चढ़ रहा है तो वह दौड़ लगाकर एक खास ब्रांड के बक्से को छीन लेता है। उसकी इस फिटनेस पर लेडी मुग्ध हो जाती है..। ऐसे विज्ञापनों में सामान के साथ मर्द की बॉडी पर मरती औरत भी बेची जाती है। यह एक प्रकार का 'निर्लज्ज सेक्सिज्म' है। ऐसे ही 'गरम इनर्स' का वो विज्ञापन याद आता है, जो इस तरह खुलता है - किसी बर्फानी हिल स्टेशन पर एक मां अपनी लड़की के साथ दिखती है, जो ठंड से ठिठुर रही है। वहां एक लड़का आता है जो अपने गरम इनर्स को उतार कर लड़की को देता है, तो वह कहती है, हां, अब ये ठंड कट जाएगी..। इसके 'डबल मानी' साफ हैं। लड़की जिस मुद्रा में यह सब कहती है उसमें उसकी आंखों में वासना सी नजर आती है और लड़का तक उसके इशारे समझता है..। इसी तरह एक कच्छे का विज्ञापन आता है जिसमें लड़की लड़के को देखती है। लड़का अलमारी के ऊपर रखे कुछ सामान को उतारता है। इसी प्रक्रिया में उसके कच्छे का ब्रांड लड़की को दिखने लगता है, जिसे देख लड़की की आंखों में एक 'लस्ट', एक 'वासना' सी दिखती है। इसी तरह जब लड़का अपनी बाहें ऊंची करता है, तो उसके कच्छे का खास ब्रांड दिखने लगता है, और लड़की उसके कच्छे के ब्रांड को देख खुश हो जाती है और लड़के का ध्यान खींचने के लिए जोर से नारा लगाती है। लड़की को अपने कच्छे का ब्रांड देखते देख लड़का झेंपता दिखता है। कच्छा बनियान बेचने के क्या यही तरीके बचे हैं और क्या यही भाषा बची है कि लड़की किसी लड़के के कच्छे को ही देखे और उसके ब्रांड को देख खुश होती दिखे? ऐसे सेक्सिस्ट विज्ञापनों के बीच इन दिनों खास ब्रांड के ट्रक का वो विज्ञापन दिखता है जिसमें लड़की ड्राइवर बन ट्रक को चलाती दिखती है। यह अकेला विज्ञापन है, जिसमें औरत को उपभोग्य पदार्थ की तरह नहीं दिखाया जाता, बल्कि नये 'प्रोफेशनल कर्मी' की तरह दिखाया गया है। यह बताता है कि औरत को 'सेक्सिस्ट' रूप में दिखाए बिना भी स्त्री को 'एम्पावर' करने वाले अच्छे विज्ञापन बनाए जा सकते हैं।

अर्जी लगाने के साथ-साथ

करियर की तलाश में प्रदेश का युवा हरसंभव कोशिश कर रहा है, मगर इस क्षमता के लिए उपयुक्त अवसर प्रदान करने की क्षमता विकसित नहीं हुई। रविवार के दिन हिमाचली युवा की महत्त्वाकांक्षा का एक पन्ना प्रशासनिक परीक्षा के आरंभिक दौर से गुजरा। जहां कुल आवेदनों यानी करीब 32 हजार युवाओं में से करीब साठ प्रतिशत ने भाग्य आजमाया। कर्मठता का करीब ऐसा ही दौर इस समय कुछ सार्वजनिक मैदानों पर अग्निवीर भर्ती के लिए पसीना बहा रहा है। नौकरी के अवसरों में सरकारी अर्जियां यूं तो हर सत्ता की पहली सुर्खी रहीं, लेकिन हमने रोजगार की शर्तों में आए बदलाव को नहीं पढ़ा, इसीलिए जो पढ़ाई की वह एक अनिवार्य कवायद या अर्जी लगाने की फरमाइश हो गई। रोजगार की संभावना, रोजगार का बाजार, सरकारी नौकरी के इश्तिहार के आगे पिछड़ गए। दोनों में अंतर है सरकारी नौकरी एक वादा बनती गई, लेकिन रोजगार एक नशा है। प्रतिस्पर्धा के मानदंडों में राष्ट्रीय सेवा चयन परीक्षाएं अगर एक मुकाम पर खड़ी हैं, तो रोजगार के स्वर्णिम युग में उपलब्धियों का अलंकार एक सतत प्रयास है। जिन्होंने खोजा, वे सभी राज्य से बाहर पहुंच गए। जो कतारों में लगे रहे, उनके परीक्षा पत्र लीक होते रहे। ऐसे में हमारे युवा की वास्तविक शक्ति है कहां। क्या हम सरकारी नौकरी के फकीर बनाने के प्रयास में शिक्षा के केंद्र विकसित कर रहे हैं या युवाओं को उनके आकाश पर पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षा में ज्ञान के बजाय पाठ्यक्रम से परीक्षा प्रणाली का लक्ष्य बना हिमाचली युवा अंततः न प्रदेश का इतिहास, न भूगोल और न ही भाषा का सम्मान करना सीख रहा।

कठिन आर्थिक दौर से ब्रिटेन को बाहर निकालने का श्रेय ऋषि सुनक को ही जायेगा

नीरज कुमार दुबे

ब्रिटेन की जनता ने इस बार के आम चुनाव में सत्ता पलट दी है। महंगाई की सर्वाधिक मार झेलने वाली ब्रिटेन की जनता ने कंजरवेटिव पार्टी को चुनावों में कड़ा सबक सिखाया है जिसके चलते प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को माफी मांगते हुए यह कहना पड़ा है कि मैंने आपके गुस्से और निराशा को महसूस किया है और मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। वैसे चुनाव के नतीजे जो भी रहे हों लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि ऋषि सुनक ने अपने देश को कठिन आर्थिक परिस्थितियों के दौर से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद जब लिज ट्रस ने ब्रिटेन की कमान संभाली थी तो तुरंत ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बिगड़ी सेहत का अंदाजा हो गया था और उन्होंने महज 45 दिनों के भीतर ही प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। उस समय ऋषि सुनक ही अंतिम तारणहार दिखाई पड़ रहे थे। देखा जाये तो ऋषि सुनक ने उस समय प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज पहना था क्योंकि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था महामारी के बाद हिचकोले खा रही थी। महंगाई और ब्याज दरें बढ़ रही थीं। यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा पर होने वाले खर्च को बढ़ा दिया था। मुद्रा बाजार में स्टर्लिंग (ब्रिटेन में प्रचलित मुद्रा) कमजोर दिख रही थी। एक सफल बैंकर और वित्त मंत्री रहे सुनक ने प्रधानमंत्री बनते ही बजट घाटे को काबू में किया, सरकार के खर्चों में कटौती की और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लेकर आये लेकिन वैश्विक संघर्षों के चलते बाधित हुई सप्लाई चेन की वजह से बढ़ती महंगाई को वह नहीं रोक पाये। इसके अलावा चूंकि उनकी पार्टी पिछले लगभग डेढ़ दशक से सत्ता में थी इसलिए ब्रिटेन में इस बार बदलाव की जोरदार लहर चल रही थी जोकि परिणामों में स्पष्ट नजर आ रही है।

वैसे ब्रिटेन के आम चुनावों में बदलाव होने वाला है इसके संकेत पिछले साल हुए उपचुनावों में ही मिल गये थे। ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने के बाद से ऋषि सुनक की वैश्विक लोकप्रियता में तो इजाफा

हुआ था लेकिन ब्रिटेन में पिछले साल तीन सीटों पर हुए उपचुनाव में उनकी कंजरवेटिव पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अब आम चुनावों में कंजरवेटिव पार्टी को अपने इतिहास की सबसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में सवाल खड़ा हुआ है कि क्या सुनक की नीतियां जनता को पसंद नहीं आ रही थीं? सवाल यह भी उठा है कि कंजरवेटिव पार्टी को गलत नीतियों की सजा चुनावों में मिली या पार्टी को एकजुट नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड़ा है? सवाल यह भी है कि क्यों कंजरवेटिव पार्टी के नेता और सांसद ही अक्सर विवादों में रह कर सुनक की मुश्किलें बढ़ा रहे थे? इसके अलावा, 14 वर्षों से ब्रिटेन की सत्ता में रही कंजर्वेटिव पार्टी की हालत चुनावों से पहले ही खस्ता नजर आ रही थी क्योंकि कई लोगों ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था और पार्टी के कई नेता और सलाहकार नई नौकरियों की तलाश में निकल पड़े थे। अब कंजर्वेटिव पार्टी के जो लोग जीत कर आये हैं वह प्रभावी विपक्ष की भूमिका सही से निभा पाएंगे, इसके बारे में विश्लेषकों को संदेह है। माना जा रहा है कि लेबर पार्टी को कुछ वर्षों तक खुली छूट मिली रहेगी।

जहां तक चुनाव परिणाम की बात है तो आपको बता दें कि ऋषि सुनक तो चुनाव जीत गये लेकिन उनके मंत्रिमंडल में शामिल पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित हो गए। सुनक उत्तरी इंग्लैंड में अपनी रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। लेकिन रक्षा मंत्री ग्रांट शेप्स, न्याय मंत्री एलेक्स चाक और मिशेल डोनेलन जैसे बड़े नेता चुनाव हार गये। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी के बहुमत से काफी ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करते ही ऋषि सुनक ने हार स्वीकार कर ली और लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी। उन्होंने किंग चार्ल्स से मिलकर अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रधानमंत्री के रूप में देश को आखिरी बार संबोधित करते हुए कहा, 卐मैंने देश सेवा में अपना सब कुछ लगा दिया है, लेकिन आपने स्पष्ट संकेत दिया है कि यूनाइटेड किंगडम की सरकार को बदलना होगा और आपका निर्णय ही मायने रखता है। उन्होंने कहा कि मैंने आपके गुस्से, आपकी निराशा को समझा है और मैं इस नुकसान की जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा कि सभी कंजर्वेटिव उम्मीदवारों ने अथक परिश्रम किया, लेकिन सफलता नहीं मिली, मुझे खेद है कि हम आपके प्रयासों के अनुरूप परिणाम नहीं दे सके।

वैसे ऋषि सुनक के लिए राहत देने वाली बात यह है कि भारतीय पहचान वाले ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विरासत सुरक्षित रहेगी। भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने से पहले 44 वर्षीय ऋषि सुनक भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश वित्त मंत्री भी थे जिन्होंने घबराई हुई जनता को उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में आश्वस्त करने के लिए कई असंभव कार्य किये थे। उस दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का नाम पार्टीगेट स्कैंडल में सामने आया था जिससे वह अलोकप्रिय हो गए थे। ऋषि सुनक को अक्टूबर 2022 में दीपावली के दिन कंजर्वेटिव पार्टी का नेता चुना गया था। तब उन्होंने 210 साल में सबसे कम उम्र के ब्रिटिश प्रधानमंत्री और देश के पहले अश्वेत नेता के रूप में प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश किया था। साउथेम्प्टन में जन्मे सुनक के माता-पिता-सेवानिवृत्त डॉक्टर यशवीर और फार्मासिस्ट उषा सुनक भारतीय मूल के हैं, जो 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन पहुंचे थे। उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति इन्फोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति तथा शिक्षिका, लेखिका एवं वर्तमान में भारतीय संसद के उच्च सदन राज्यसभा की सदस्य सुधा मूर्ति की बेटी हैं। सुनक जब स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में छात्र थे तब उनकी मुलाकात अक्षता से हुई थी। सुनक पहली बार 2015 में यॉर्कशायर के रिचमंड से संसद सदस्य चुने गए थे।

बहरहाल, ब्रिटेन कभी राजनीतिक स्थिरता के लिए प्रसिद्ध था लेकिन 2016 में यूरोपीय संघ छोड़ने के बाद से उसकी हालत खस्ता है। पहले कोविड-19 महामारी से उपजी चुनौतियों ने संकट बढ़ाया तो उसके बाद सार्वजनिक सेवाओं और जीवनयापन की बढ़ती लागत ने दिक्कतें बढ़ा दीं। देखना होगा कि नई सरकार चुनौतियों पर कैसे विजय पाती है?

बाइडेन बोलते-बोलते लड़खड़ाए

हरिशंकर व्यास

यदि ठग व्यक्ति, झूठ बोलने में गुरू हो तो करेला नीम पर चढ़ा। तभी इन दिनों डोनाल्ड ट्रम्प जैसा ठग और झूठा राजनीति का प्रतिमान है। कोई आश्चर्य नहीं जो हाल में उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन को चुनावी बहस में हड़बड़ा दिया। राष्ट्रपति बाइडेन बोलते-बोलते लड़खड़ाए। इसकी मूल वजह 81 साल की उम्र में विस्मृति की थी। लेकिन बहस के दौरान बाइडेन के चेहरे से यह कई बार लगा कि उनका ऐसे झूठे ठग से पाला पड़ा है कि वे बोलें तो क्या बोलें! ठग वाचाल होते हैं। वे ऊंची आवाज में, अभिनय के साथ झूठ बोलते हैं (भारत में भी गौर करें)। इसलिए उसके आगे उम्रदराज सज्जन का लड़खड़ाना स्वाभाविक है। इसलिए डोनाल्ड ट्रम्प से बाइडेन को बहस करनी ही नहीं थी। और यदि करनी थी तो कम से कम यह शर्त तो रखनी थी कि बहस उनकी इस माफी से शुरू होगी कि हां, वे 2020 के चुनाव में हारे थे। और उस चुनाव में बाइडेन ही विजयी थे। वे 2020 के अमेरिकी जनादेश को सच्चा मानते हैं!

कितना त्रासद है यह सत्य जो नतीजों के बाद वाशिंगटन से भागा भगोड़ा डोनाल्ड ट्रम्प वापिस सत्ता की दौड़ में है। जिसने जनादेश को नहीं माना। संसद पर हमला करवाया और अमेरिकी लोकतंत्र को विश्व में कलंकित किया वही पूरी दबंगी से वापिस कह रहा है कि मैं ग्रेट हूं और बाइडेन फेल हैं। तभी बाइडेन कैसे बोलें कि मैं ग्रेट हूं या सामने वाला जो बोल रहा है वह फरेबी, ठग, झूठा और नीच है!

इस नाते लोकतंत्र की श्रेष्ठता के बावजूद उसका यह संकट स्थायी है कि फरेबी, झूठे, नीच नेताओं को रोकने का सेफ्टी वाल्व क्या हो? भारत या तीसरी दुनिया के देशों के लोकतंत्रों में झूठे, फरेबी, गंवार नेताओं का सत्ता में आना तीसरी दुनिया की अनपढ़, अंधविश्वासी आबादी के कारण समझ में आता है लेकिन अमेरिका, फ्रांस जैसे विकसित, सभ्य देशों में डोनाल्ड ट्रम्प या ले पेन जैसे अनुदारवादी ठगों का पॉवर में आना तो इन देशों के विकसित या सभ्य होने पर ही सवाल है! लोकतंत्र की आत्मा का नाम है उदारवाद। और बावजूद इसके यदि अनुदारवादी नेता ठगी, झूठ से प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति बन रहे हैं तो वैसा होना क्या लोकतंत्र की आत्मा का कमजोर होना और असुरों से उसका दानवीकरण नहीं है?

तभी अमेरिका के लोकतंत्र के लिए विष है डोनाल्ड ट्रम्प! कट्टरपंथ, अनुदारवाद, घोर दक्षिणपंथ या घोर वामपंथ याकि तमाम अतिवादी विचार तलवार का वह जुबानी रूप हैं, जिससे सर्वप्रथम लोकतंत्र ही घायल होता है। डोनाल्ड ट्रम्प 2016 में राष्ट्रपति बनने से पहले भी अनुदारवादी थे। ठग थे। झूठे थे। और राष्ट्रपति् रहते हुए भी मनमानी के साथ उन्होंने दबा कर झूठ बोला। उन्होने मार्केटिंग-ब्रांडिंग-अभिनय-झूठ के वे सभी हथकंड़े अपनाए हुए थे, जिनमें ठग पारंगत होते हैं। अब सत्ता से बाहर होने के बाद वापिस चुनाव लड़ रहे हैं तो पुरानी गलतियों को मानने, उन पर माफी मांगने की बजाय ठगी के अपने चरित्र से वोट मांग रहे हैं। बाइडेन को फेल बता रहे हैं और अपने को ग्रेट। सोचें, उनका यह हुंकारा कि उनके राष्ट्रपति रहते हुए अमेरिका की दुनिया में इज्जत, गरिमा बनी जबकि बाइडने से सर्वनाश हुआ!

इस बात को वे गोरे लोग, कट्टरपंथी, अनुदारवादी, रिपब्लिकन पार्टी के नेता मानते हुए हैं जो पढ़े-लिखे होने के बावजूद यह समझते हैं कि बाहरी लोगों के आने से अमेरिका खत्म हो रहा है। काली आबादी, लातीनी आबादी, एशियाई आबादी, मुस्लिम आबादी गोरों की रोजी-रोटी खा रही है। अमेरिका क्यों दुनिया का चौधरी रहे? वह क्यों दुनिया में लोकतंत्र के लिए लड़े? क्यों तानाशाहों से यूरोप या दुनिया को बचाने के लिए अरबों-खरबों रुपए खर्च करे और सेना भेजे? कूटनीति करे? मतलब वह अपनी अमीरी खुद भोगे, दूसरों पर क्यों जाया करे या बांटे! उसे क्यों अपनी विश्व व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए जब वह खुद अकेले अपनी ताकत से अपने हितों की सुरक्षा में समर्थ है! मतलब अमेरिका की महानता अपने घर की गोरी नस्ल, गोरे सरोकारों से है और उसी के हितों की हितसाधना और विकास में है!

सवाल है इस तरह सोचना ही अमेरिका के इतिहास और निर्माण को क्या खारिज करना नहीं है? अमेरिका बना ही बाहरी लोगों से। डोनाल्ड ट्रम्प खुद और उनके सभी भक्तों के वंशज दुनिया भर से आए प्रवासियों की संतान हैं। इसी कारण अमेरिका की तासीर सतरंगी है। विविधताओं से बने विकास का वह आधुनिक चमत्कार है। लोकतंत्र का वैश्विक प्रतिमान है। ज्ञान-विज्ञान-सत्य और कानून-कायदों का देश है। सबको समान अवसर देने की तमाम व्यवस्थाएं लिए हुए है। उसी व्यवस्था से दुनिया भर के लोगों के लिए अमेरिका आकर्षक है। सभी को अमेरिका ने मौका दिया तो बदले में उसकी प्राप्ति जहां सर्वाधिक नोबेल पुरस्कार है वही हर ओलंपिक में लगातार चली आ रही टॉप पोजिशन है। अमेरिकी सभ्यता और संस्कृति यदि आज पूरी पृथ्वी पर अपनी छाप छोड़ते हुए है तो ऐसा होना अमेरिकी समाज की विविधताओं और उदारवादी परंपराओं से खिली कला-संस्कृति की बदौलत है न कि डोनाल्ड ट्रम्प और उनके अनुदारवादी समर्थकों की जीवन शैली तथा सोच से!

और इस सत्य को अमेरिका में भी जानने-बूझने वाले कम नहीं हैं। इसलिए 2020 के चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की तमाम धांधलियों के बावजूद लोगों ने बहुमत से डोनाल्ड ट्रम्प को हरा कर डेमोक्रेटिक पाटी के जो बाइडेन को राष्ट्रपति बनाया। बावजूद इसके न डोनाल्ड ट्रम्प ने संन्यास लिया और न उनके अनुदारवादी समर्थकों को समझ आया कि ट्रम्प के शासन के दौरान अमेरिका का कितना और कैसा अहित हुआ है।

तभी बोतल में बंद जिन्न वापिस चुनाव मैदान में है। उन्हें हराने का दारोमदार वापिस 81 साल के बाइडेन पर है। और उम्र से बाइडेन की दिक्कत है। उनका शरीर, उनकी आवाज, उनकी याददाश्त, उनका भलापन, उनका सत्य 78 वर्षीय डोनाल?ड ट्रम्प के आगे कमजोर दिख रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी और खुद बाइडेन ने यह नहीं सोचा था कि चुनाव लड़ते-लड़ते अचानक उनकी आवाज और याददाश्त लड़खड़ाई दिखेगी! मगर जब ऐसा हुआ तो 27 जून की लाइव टीवी डिबेट से ट्रम्प के आगे बाइडेन की लोकप्रियता का ग्राफ उतरता हुआ है। बाइडेन मान रहे थे कि वे ही डोनाल्ड ट्रम्प को हराने में समर्थ हैं। उन्होंने पहले हराया है, देश को बचाया है तो उन्हें ही वापिस लडना चाहिए। उनकी पार्टी के दूसरे नेता (ओबामा, क्लिंटन आदि) भी बाइडेन को समर्थ मानते थे। इसी कारण वे पार्टी की तरफ से अभी निर्विरोध उम्मीदवार हैं। मगर अब सब शंकित हैं। न केवल डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद, नेता और समर्थक शंकित हैं, बल्कि अमेरिका के वे सभी नागरिक चिंता में हैं, जो मानते हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प यदि वापिस राष्ट्रपति बने तो तय है बरबादी!

भारतीय पुरुषों का ही दबदबा नहीं महिलाएं भी कदमताल

संदीप भूषण

ऐतिहासिक घटनाओं के लिहाज से 30 जून बेहद महत्त्वपूर्ण तारीख है। दुनिया में खेल के माध्यम से सद्भाव कायम करने वाली सबसे बड़ी संस्था अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना इसी दिन हुई थी। बात भारतीय खेल जगत के नजरिए से करें तो यह तारीख और भी अहम हो जाती है। बीती 30 जून को भारतीय क्रिकेट इतिहास में दो बड़ी घटनाएं हुई। एक तरफ टी 20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर भारतीय पुरु ष टीम ने 13 वर्ष का खिताबी सूखा समाप्त किया तो वहीं दूसरी तरफ, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट में दस विकेट से हरा दिया। तर्क दिया जा सकता है कि दोनों मुकाबले का स्तर अलग था, लेकिन खिलाड़ियों का जज्बे और जुनून में कोई फर्क नहीं था। पुरु ष टीम की जीत से भारत को विश्व कप मिला तो महिला टीम की जीत ने बता दिया कि क्रिकेट के मैदान पर सिर्फ भारतीय पुरु षों का ही दबदबा नहीं है, महिलाएं भी उनसे कदमताल कर रही हैं। महिला टीम की बड़ी जीत से कई संदेश निकले जो क्रिकेट में भारतीय महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश करते हैं। पिछली बार नवम्बर, 2014 में भारतीय टीम ने जब दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू मैदान पर टेस्ट खेला था, तब मिताली राज कप्तान थीं। हरमनप्रीत कौर भी इस टेस्ट का हिस्सा थीं। यह मैच तो भारत ने जीत लिया था लेकिन तब किसी को इल्म नहीं था कि 17 रन बनाने वाली हरमनप्रीत की कप्तानी में एक दिन अफ्रीकी टीम को इतनी बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। यह भी तथ्य है कि तब महिला टीम को लेकर भविष्य की तस्वीर धुंधली नजर आती थी। लेकिन बीते एक दशक के दौरान महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सबको हैरान कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भारत ने एकतरफा दबदबा बना कर रखा था। इसकी शुरु आत शेफाली के धमाकेदार दोहरे शतक और मंधाना के शतक से हुई। इसके बाद गेंदबाजों ने अफ्रीकी खिलाड़ियों पर शिंकजा कसा। खासकर स्नेह राणा के 10 विकेट ने मैच ही पलट दिया। टी 20 विश्व कप के शोर में भले ही इस मैच को दर्शक कम मिले लेकिन महिला क्रिकेटरों का जुनून देखते ही बन रहा था। इससे पहले महिला टीम ने अफ्रीका को वनडे सीरीज में भी 3-0 से मात दी। किसी भी टीम को आगे ले जाने में कप्तान की बड़ी भूमिका होती है। हरमनप्रीत ने उस भूमिका को बखूबी निभाया है। उन्होंने शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज, पूजा वस्त्रकार, स्नेह राणा जैसी शानदार खिलाड़ियों को तैयार किया। आज यही खिलाड़ी भारत का भविष्य लिख रही हैं। इन सभी खिलाड़ियों के साथ भारतीय टीम को विजय रथ पर सवार करने के लिए हरमनप्रीत की जितनी भी तारीफ हो कम ही होगी। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम लगातार बेहतर होती जा रही है। कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घर पर टेस्ट मैच खेला था। इसमें भी टीम ने जीत हासिल की थी और उसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी मात दी थी। अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ चेन्नई टेस्ट जीतने के साथ हरमनप्रीत कौर महिला टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली कप्तान बन गई हैं, जिनके नेतृत्व में टीम ने लगातार तीन मुकाबलों को अपने नाम किया है। हरमनप्रीत ने भारतीय महिला टीम की दिग्गज पूर्व खिलाड़ी मिताली राज के कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टेस्ट जीत के रिकॉर्ड को भी बराबर कर लिया है। कौर के नेतृत्व में टीम इंडिया ने जहां तीन मुकाबले खेलते हुए सभी में जीत हासिल की है तो मिताली राज के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम ने आठ टेस्ट मैच खेले थे जिनमें से तीन में जीत हासिल हुई थी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ये उपलब्धियां रिकॉर्ड बनाने से इतर हमारे समाज में महिला सशक्तिकरण की अलख जगा रही हैं। भारत जैसे देश, जहां महिलाओं की स्थिति में बड़े बदलाव की जरूरत है, ये उपलब्धियां हमारी पारंपरिक संस्कृति में घर कर गई विसंगतियां दूर करने में भी मददगार साबित हो रही हैं। लैंगिक समानता के सपने को साकार करने में मदद कर रही हैं। आम तौर पर पैसे की कमी से जूझने के कारण खेल महसंघ महिला खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं मुहैया नहीं करा पाते। महिला खिलाड़ियों की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत नहीं कर पाते। अपनी मजबूत अवसंरचना के कारण क्रिकेट कम से कम इन सभी कमियों को पूरी कर रही है। वे लड़कियों को जमीनी स्तर पर सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। इससे महिलाओं की क्रिकेट में भागीदारी बढ़ रही है, और उन्हें समाज की रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ने में मदद मिल रही है। महिला क्रिकेट की लगातार उपलब्धियों ने लैंगिक असमानता पर नई बहस छेड़ दी है। माना जा रहा है कि महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और उनका प्रदर्शन देश की असंख्य बेटियों के लिए भी मिसाल बनेगा।

पास्ता नहीं है अनहेल्दी, गलत हमारे खाने का तरीका है

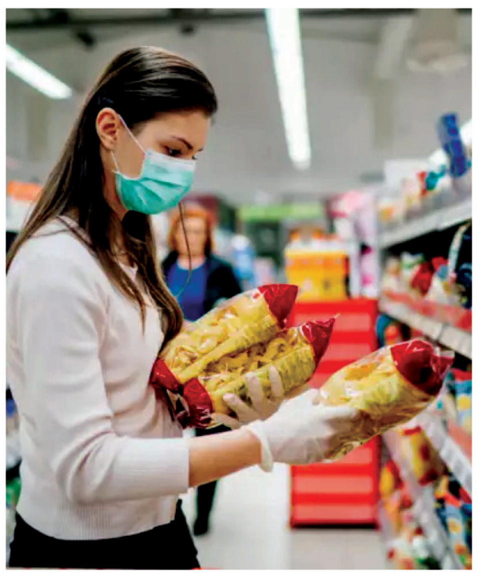

लंबे समय से पास्ता दुनिया भर में डाइनिंग टेबल पर सजने वाली डिश बनी हुई है। भारत में इसे मूड के अलावा गेस्ट के लिए भी बनाया जाता है। यह काफी टेस्टी और कंफर्टेबल फूड है। मगर जितना यह मशहूर है उतना ही बदनाम माना जाता है। इसे मोटापे और डायबिटीज जैसी बीमारियों की जड़ माना जाता है। जिसके पीछे अक्सर इसकी कार्ब्स की मात्रा को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

लेकिन क्या पास्ता उतना ही खराब है जितना हमें बताया जाता है? या फिर खराब हमारा खाने का तरीका है जिसे बदला जा सकता है। इस आर्टिकल में कुछ ऐसी बातों पर बात की गई है जिनके बारे में कोई चर्चा नहीं करता। पास्ता को बिना किसी दिक्कत के खाया जा सकता है आइए जानते हैं कैसे?

पास्ता अनहेल्दी है या नहीं?

पास्ता से कार्बोहाइड्रेट बड़ी मात्रा में मिलते हैं, इसलिए कई लोग इसे अनहेल्दी करार दे देते हैं। जबकि पास्ता को एक बैलेंस्ड डाइट में शामिल किया जा सकता है। संतुलित मात्रा में पास्ता खाने से वेट गेन होने की जगह फैट और शुगर के लेवल को कंट्रोल किया जा सकता है। इसलिए अब वो वक्त आ गया है कि पास्ता को अनहेल्दी मानना बंद करके इसकी न्यूट्रिशनल वैल्यू के बारे में भी बात की जाए।

पास्ता में मौजूद पोषण

पास्ता में मौजूद पोषण को जानकर सही डाइट का चुनाव किया जा सकता है। व्हाइट ब्रेड से बना पास्ता सबसे पुराना है जो कि कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का मिक्सचर देता है। बाजार में इसके ऑप्शन में साबुत गेहूं और चना जैसे अनाजों से बना पास्ता भी उतारा गया है जो कई सारे पोषक तत्व देता है। अपना चुनाव करते हुए आप टेस्ट, न्यूट्रिशन आदि के बारे में जरूर सोच लीजिए।

पास्ता खाने का सही और हेल्दी तरीका

बैलेंस्ड डाइट में पास्ता शामिल करने का सबसे हेल्दी तरीका उसे रेसिपी और पोर्शन कंट्रोल है। संतुलित मात्रा में पास्ता आराम से खाया जा सकता है और इसे बनाते हुए फाइबर देने वाली सब्जियां, लीन प्रोटीन आदि को जोड़ा जा सकता है। इससे आपका हेल्दी पास्ता भूख और टेस्ट की तृप्ति करने के साथ पोषण भी देगा।

संयम से करें सेवन

पास्ता खाने में मजा आता है लेकिन इसके साथ संयम ना भूल जाएं। थाली से पास्ता बिल्कुल हटाने की जगह हेल्दी सब्जियों से बना पास्ता डिसिप्लिन के साथ खाएं। यह आपको अफसोस और बीमारियों से दूर रखते हुए खाना एंजॉय करने में मदद करेगा।

अंग्रेजी में इस स्टोरी को पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

डिस्क्लेमर- यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

प्रेग्नेंसी में इतने मिनट से ज्यादा चलना पड़ सकता है भारी, इन हिस्सों में आ सकता है दर्द

कहते हैं क रोज पैदल चलना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है और अगर आप प्रेगनेंट है, तो आपको जरूर पैदल चलना चाहिए। पैदल चलने से प्रेग्नेंसी में अपच और कब्ज जैसी समस्याएं नहीं होती हैं और प्रेग्नेंसी में आने वाली कई तरह की जटिलताओं से भी बचाव होता है।लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या पैदल चलना पूरी तरह से सुरक्षित होता है और इसके कोई साइड इफेक्ट नहीं होते हैं। दरअसल, किसी भी चीज की अति नुकसान ही देती है और अधिक पैदल चलने के भी नुकसान हैं। अगर आप प्रेगनेंट हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि इस समय आपको कितना देर तक पैदल चलने की जरूरत है। इस आर्टिकल में हम आपको गर्भावस्था में ज्यादा पैदल चलने के नुकसानों के बारे में बता रहे हैं।

अमेरिकन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट के अनुसार प्रेगनेंट महिला को हर सप्ताह में लगभग 150 मिनट की मॉडरेट इंटेंसिटी वाली ऐरोबिक एक्सरसाइज करनी चाहिए। इसमें ब्रिस्क वॉक भी शामिल है। फिजिकल एक्टिविटी गाइडलाइंस के मुताबिक गर्भवतीमहिला को हफ्ते के पांच दिनों में लगभग रोज 30 मिनट एक्सरसाइज या वॉक करनी चाहिए।

प्रेग्नेंसी में ज्यादा चलने से थकान हो सकती है। वैसे भी इस समय महिलाएं बहुत जल्दी-जल्दी थक जाती हैं इसलिए उन्हें इस दौरान अधिक पैदल चलने से बचना चाहिए। इसके अलावा ज्यादा चलने से पेल्विक हिस्से पर दबाव बन सकता है और इस हिस्से में दर्द भी महसूस हो सकता है। चलने के कारण जांघों और पैरों के तलवों में भी दर्द आ सकता है। इस समय जोड़ों में दर्द का खतरा भी बढ़ सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप प्रतिदिन 30 मिनट वॉक करने के नियम को ही फॉलो करें।

Tommys.org के अनुसार अगर आप प्रेगनेंट होने से पहले भी एक्सरसाइज करती थीं, तो अब आपको हर हफ्ते कम से कम 150 मिनट फिजिकल एक्टिविटी करनी चाहिए। इसमें पैदल चलने को भी शामिल करें। अगर आपने प्रेग्नेंसी के बाद से ही एक्सरसाइज करनी शुरू की है, तो आप धीरे-धीरे शुरुआत करें।

अगर आप लंबी वॉक पर जा रही हैं, तो इसके लिए आरामदायक जूते पहनें, कमर को सीधा कर के चलें, ज्यादा गर्मी में चलने से बचें, अपने साथ पानी और हेल्दी स्नैक्स रखें, पैदल चलते समय गाने सुनें।

ड्राई फ्रूट्स भी कम कर सकते हैं कमर का साइज

क्या आप जानते हैं कि डाइट में छोटे-मोटे बदलाव आपकी वेट लॉस जर्नी में काफी मदद कर सकते हैं। बहुत सारे लोग वेट लॉस के लिए खाना पीना कम कर देते हैं। लेकिन, इसके बाद भी उन्हें कोई सुधार नहीं दिखता है। क्योंकि यह वजन घटाने का सही तरीका नहीं है। ऐसे में यदि आप भी वजन कम करने का प्रयास कर रहे हैं, तो लेख में दिए टिप्स आपकी इस जर्नी में काफी मदद करेंगे।

ड्राई फ्रूट्स का सेवन

हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग के अनुसार भले ही ड्राई फ्रूट्स का साइज छोटा होता है, लेकिन इन्हें पोषक तत्वों की खान माना जाता है। बहुत सारे लोग नियमित रूप से ड्राई फ्रूट्स का सेवन नहीं करते हैं, क्योंकि वो इसके फायदों से अंजान हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो इंफ्लामेशन व ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करते हैं।

मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है

ड्राई फ्रूट्स आपकी वेट लॉस जर्नी में काफी उपयोगी साबित हो सकता है। इसका सेवन करने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, जिससे वजन कम करने में मदद होती है। यही नहीं इनमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जिस वजह से लंबे समय तक पेट भरा महसूस होता है।

बादाम

वेट लॉस के लिए लो कैलोरी फूड्स का सेवन अच्छा माना जाता है। बता दें कि बादाम लो कैलोरी होने के साथ-साथ न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होता है। यही नहीं इसमें फाइबर भी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है, जिस वजह से इसे वजन घटाने के लिए सहायक माना जाता है। एक शोध में इस बात की पुष्टि होती है कि रोजाना सुबह भीगे हुए बादाम का सेवन कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ वेट लॉस के लिए प्रभावी होता है।

पिस्ता

पिस्ता के स्वाद के कारण काफी लोगों का यह पसंदीदा ड्राई फ्रूट होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसकी गिनती भी वजन कम करने वाले ड्राई फ्रूट्स में होती है। इनमें मौजूद हेल्दी फैट्स और फाइबर के कारण लंबे समय तक पेट भरा महसूस होता है, जिस वजह से इसका सेवन करने से भूख कम लगती है और ओवरऑल डाइट में अत्यधिक कैलोरी लेने से बचते हैं।

अखरोट

अखरोट में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड के कारण इसका सेवन मस्तिष्क और हार्ट के लिए अच्छा माना जाता है। इसके साथ अखरोट मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट करता है, जो

फैट को बर्न करता है, जिससे वजन घटाने में मदद होती है।

किशमिश

किशमिश में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है और फैट बहुत कम होते हैं। इसमें कॉपर, मैग्नीशियम, आयरन और जिंक भी अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। एक स्टडी में इस बात की पुष्टि की गई है कि नियमित रूप से किशमिश का सेवन करने से अत्यधिक भूख को कम करने के साथ पेट की चर्बी को दूर करने में मदद होती है।

डिस्क्लेमर- यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

भयंकर गैस बनाती हैं 5 चीजें, नाश्ते में न खाएं

क्या आप सुबह नाश्ता करने के बाद दिनभर पेट में गैस या भारीपन महसूस करते हैं, क्या आपका पेट फूला रहता है, क्या दिन में आपका पेट साफ नहीं होता है? अगर आप इन समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो अब समय आ गया है आप अपने नाश्ते में बदलाव करें।

एक्सपर्ट्स ऐसा मानते हैं कि अगर आपके नाश्ते की शुरुआत हेल्दी फूड्स से होती है, तो संभव है कि आपको पेट से जुड़ी किसी तरह की कोई समस्या न हो। वहीं कुछ चीजें आपके पेट पर बुरा असर डाल सकती हैं और आपके पाचन तंत्र को बिगाड़ सकती हैं।

नाश्ता दिन का पहला भोजन है और इसमें ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल होने चाहिए, जो आपके पेट को दुरुस्त रखें और पूरा पोषण भी दे। न्यूट्रिशनिस्ट और डाइटीशियन नमामी अग्रवाल आपको बता रही हैं कि आपको नाश्ते में किन खाद्य पदार्थों को खाने से बचना चाहिए।

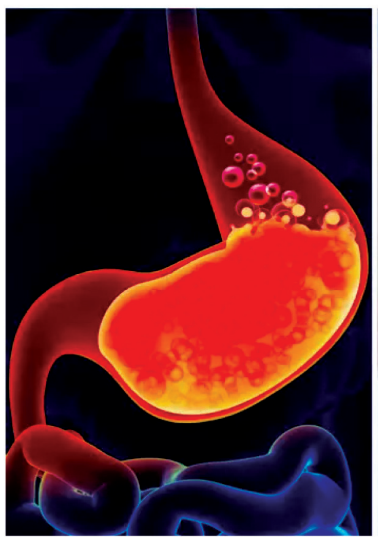

नाश्ता और गैस बनने के बीच संबंध

खाना पेट फूलने का एक आम कारण है क्योंकि जब शरीर भोजन पचाता है, तो यह गैस पैदा करता है। इसलिए भोजन को पचने में जितना अधिक समय लगेगा, गैस बनने का खतरा बढ़ जाएगा, जिससे आपका पेट फूल जाएगा और आप चिड़चिड़े हो जाएंगे। यही वजह है कि नाश्ते में ऐसे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, जो पचने में देरी लगाते हैं या गैस बनाते हैं।

चाय और कॉफी से बचें

कई लोग एक कप चाय या कॉफी के बिना अपने दिन की शुरुआत नहीं कर सकते। इसका अधिक मात्रा में सेवन पेट में एसिड के उत्पादन को उत्तेजित कर सकता है, जिससे गैस बन सकती है। इसके साथ दूध वाली चाय से लैक्टोज इनटोलरेंस भी हो सकती है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके बजाय हर्बल चाय का सेवन करें।

फूलगोभी और पत्तागोभी खाने से बचें

अगर आपको गोभी पराठा पसंद है, तो पाचन संबंधी समस्याओं से बचने के लिए हमारा सुझाव है कि इसे नाश्ते के बजाय दोपहर के भोजन में खाएं। इन दोनों पत्तेदार सब्जियों में कार्बोहाइड्रेट होते हैं जिन्हें पचाना मुश्किल होता है, जिससे गैस बनती है। आप तोरी और पालक सहित कम कार्ब वाली सब्जियों का विकल्प चुन सकते हैं।

सेब और नाशपाती से बचें

बेशक सेब खाना चाहिए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप इसे दिन के पहले भोजन के रूप में लें। सेब और नाशपाती दोनों में फरुक्टोज और फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो सूजन और गैस का कारण बन सकती है। इसके बजाय, आप एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर बेरीज का सेवन कर सकते हैं।

कच्चे खीरे और प्याज से बचें

अगर आप नाश्ते में खीरे-प्याज का सलाद खाते हैं, तो इसे तुरंत बंद कर दें। कच्ची सब्जियाँ, विशेष रूप से खीरा और प्याज जैसी उच्च फाइबर सामग्री वाली सब्जियों को तोड़ना मुश्किल हो सकता है, जिससे गैस हो सकती है। इसके बजाय, आप अपने दिन को स्वस्थ शुरुआत देने के लिए पकी हुई या उबली हुई सब्जियों का सेवन कर सकते हैं।

कॉर्न खाने से भी बनती है गैस

कॉर्न में सेल्युलोज होता है जो एक प्रकार का फाइबर है जिसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है। अगर आपको कॉर्न खाने से गैस बनती है, तो आप इसके बजाय क्विनोआ या चावल से बदलें।डिस्क्लेमर- यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता।

कई बीमारियों की एक दवा है तेजपत्ता, ऐसे करें सेवन

रिर्सच गेट की एक रिपोर्ट के अनुसार यह शरीर की कई गंभीर बीमारियों में भी अपना प्रभावकारी असर दिखाता है। यह पाचन में सुधार करने के साथ जोड़ों के दर्द, माइग्रेन, गैस्ट्रिक और निमोनिया जैसी कई बीमारियों में इलाज के काम भी आता है। यहाँ तेजपत्ते के सेहत के लिए कुछ फायदे बताए गए हैं:

पाचन को सुधारना

जो लोग पेट की समस्या से परेशान हैं, वो इसका सेवन जरूरी करें। तेजपत्ता पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है जिससे खाने को पचाने की प्रक्रिया में सुधार होता है। यह कब्ज की समस्या को भी ठीक करता है।तेज पत्ते के सेवन से डिप्रेशन दूर करने में मदद मिलती है। इसमें ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते है, जो तनाव को शांत करते हैं। एक कप तेजपत्ते से बनी चाय अगर आप पिए तो आप शांत दिमाग महसूस करेंगे। तेजपत्ते को आयुर्वेद में काफी प्रभावकारी माना जाता है। इसमें एंटीफंगल और एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो फंगल और इंफेक्शन को ठीक करने के साथ दर्द में आराम भी देते हैं।

निमोनिया में तेजपत्ते से बना काढ़ा काफी फायदा करता है। इसे बनाने के लिए एक तेजपत्ता, एक बड़ी इलायची, थोड़ा सा गुड़ और एक लें। इसे उबालकर काढ़ा बना लें। अगर आप लगातार होने वाली खांसी से परेशान हैं, तेजपत्ता आपको काफी राहत देगा।

डायबिटीज की शिकार महिलाएं हो जाएं सावधान, लापरवाही बन सकती है इस जानलेवा रोग का कारण

मधुमेह को साइलेंट किलर बीमारियों के रूप में जाना जाता है, जिन लोगों को डायबिटीज की दिक्कत होती है उनमें कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के बढ़ने का खतरा हो सकता है। अनियंत्रित ब्लड शुगर की स्थिति समय के साथ आंखों से लेकर किडनी, तंत्रिकाओं से संबंधित जटिलताओं के विकसित होने का जोखिम बढ़ाने वाली मानी जाती है।

हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि डायबिटीज वाले लोगों में समय के साथ हृदय रोग होने का भी खतरा अधिक हो सकता है। विशेषतौर पर डायबिटिक महिलाओं में ये जोखिम और अधिक देखा जा रहा है। इसी से संबंधित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं सचेत किया है कि पुरुषों की तुलना में डायबिटीज की शिकार महिलाओं में हृदय रोगों के विकसित होने और इसके जटिल रूप लेने का खतरा 12 फीसदी तक अधिक हो सकता है। डायबिटीज यूके प्रोफेशनल कॉन्फ्रेंस (डीयूकेपीसी) में प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष में कहा गया है, टाइप-2 डायबिटीज वाली महिलाओं में बिना डायबिटीज वालों की तुलना में हृदय संबंधी जटिलताओं के विकसित होने का जोखिम 20 फीसदी अधिक हो सकता है। जो लोग डायबिटीज के शिकार हैं उन्हें हृदय की सेहत का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए।

डायबिटीज रोगियों में हृदय की समस्याओं का जोखिम

डॉक्टर बताते हैं, समय के साथ बढ़ा हुआ शुगर का लेवल कई अंगों के साथ-साथ रक्त वाहिकाओं और आपके दिल को नियंत्रित करने वाली नसों को भी नुकसान पहुंचाने लगता है। डायबिटिक न्यूरोपैथी के शिकार लोग, जिनमें नसें कमजोर हो जाती हैं, उनमें इस प्रकार का खतरा और अधिक हो सकता है। नसों की कमजोरी की स्थिति में, रक्तचाप बढ़ने पर धमनी की दीवारों को नुकसान पहुंच सकता है। डायबिटिक न्यूरोपैथी वालों में साइलेंट हार्ट अटैक जैसी समस्याओं का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है।

क्या कहते हैं अध्ययनकर्ता?

मैनचेस्टर रॉयल इन्फर्मरी में प्रोफेसर मार्टिन रटर अध्ययन की रिपोर्ट में कहते हैं, यह भी देखा गया है कि टाइप-2 डायबिटीज वाली महिलाओं में इस रोग वाले पुरुषों की तुलना में अधिक वजन होने का जोखिम भी ज्यादा होता है। अध्ययन में शामिल औसतन महिलाएं, पुरुषों की तुलना में अधिक वजन वाली थीं। मधुमेह के साथ मोटापा होना आपकी जटिलताओं को और भी बढ़ाने वाला हो सकता है। मोटापे के कारण उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल का जोखिम भी बढ़ने लगता है, जो समय के साथ हृदय की सेहत को नुकसान पहुंचाने लगती हैं।

महिलाओं को दिल की बीमारी

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार महिलाओं को दिल की बीमारियों के लिए ज्यादा एग्रेसिव इलाज नहीं दिया जाना चाहिए। कई महिलाओं में कार्डियक प्रक्रियाओं को लेकर भी सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। इस आधार पर अध्ययन में कहा गया है कि टाइप-2 डायबिटीज वाली महिलाओं को लिपिड कम करने वाली दवा और एंजियोटेंसिन-कन्वर्टिंग एंजाइम इनहैबिटर्स दिए जाने की भी कम सलाह दी जाती है। ऐसी स्थिति में हृदय रोगों को अलग तरीकों से मैनेज करने की आवश्यकता होती है।

क्या है विशेषज्ञों की सलाह?

अध्ययन के निष्कर्ष में स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को डायबिटीज और हृदय रोग दोनों से बचाव करते रहने की सलाह दी जाती है। यदि आप डायबिटीज के शिकार हैं तो अपने हृदय की सेहत का भी गंभीरता से ख्याल रखें। मधुमेह की फैमिली हिस्ट्री वाले, अधिक वजन-मोटापे के शिकार, निष्क्रिय जीवनशैली भी आपकी जटिलताओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। लाइफस्टाइल और खान-पान को ठीक रखकर हृदय रोग-डायबिटीज दोनों से बचाव किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पठारीपाली स्कूल भवन निर्माण भगवान भरोसे

ठेकेदार और जिम्मेदार विभाग की सुस्त रवैया का परिणाम बच्चे भुगत रहे

योगेश कुर्रे/ सारंगढ़ (समय दर्शन)। शिक्षा व्यवस्था ऐसे की एक साल होने को है सरकार ने नई स्कूल भवन की स्वीकृति दी लेकिन आज भी बच्चो के पास बैठने के लिए जगह नहीं अतरिक्त भवन में पहली से पांचवीं तक की बच्चे एक साथ बैठने को मजबूर ठेकेदार और प्रशासन की लापरवाही से आज बच्चे उचित शिक्षा पाने से हो रहे वंचित आपको बता दे सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला मुख्यालय से महज 10 से 15 किलो मीटर दूर ग्राम पठारी पाली (देवगांव) में प्राथमिक विद्यालय के लिए सरकार से लगभग 16 लाख रूपये स्वीकृत हो चुके लेकिन एक साल बीत चुके अब तक भवन बनकर तैयार नहीं हुआ यह ठेकेदार और स्थानीय प्रशासनिक विभाग की लापरवाही है की जिस भवन को बनने में महज 3 से 4 महीने लगते है उसे एक साल बीतने को है लेकिन आज भी अधूरा पड़ा हुआ है ठेकेदार ने ढलाई तक का कार्य को लटका दिया 3 से 4 महीने बीत रहे काम अधूरा पड़ा हुआ है और लगभग 42 बच्चे पहली से पांचवीं तक के बच्चे रोजाना स्कूल तो आते है लेकिन उनके पास बैठने के लिए सिर्फ एक कमरा और एक बरामदा है जहा सभी बच्चे मिल जुलकर बैठने को मजबूर है जिससे शिक्षा काफी प्रभावित हो रहे आखिर कब तक अव्यवस्था के आलम से जूझता रहेगा सारंगढ़ बिलाईगढ़ की शिक्षा व्यवस्था,आखिर कौन है जिम्मेदार,सरकार कहती है हमने तो भवन स्वीकृत कर दिया लेकिन आज उसी भवन को बनने में साल बीत रहे ,कोई सुध लेने वाला नही वही भवन निर्माण को लेकर इंजीनियर भी बखूबी दिशा निर्देश देने के लिए रहते है लेकिन अपनी जिम्मेदारी बस इतना ही शायद समझ रहे की हमे तो सिर्फस्टीमेट बनाकर देना है।

भाजपा की 6 महीने की सरकार में आम जनता त्रस्त –विधायक संगीता सिन्हा

बालोद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा निर्देश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी बालोद के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन जय स्तंभ चौक में आयोजित किया । कार्यक्रम को संजारी बालोद के विधायक संगीता सिन्हा ने संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सर प्लस बिजली होने के बाद भी राज्य में अघोषित विद्युत कटौती किया जा रहा है ,भाजपा की 6 महीने की सरकार में आम जनता त्रस्त हो गई है, संजारी बालोद के लिए जो पूर्ववर्ती सरकार ने राशि जारी किया था उसे निरस्त करने का काम बीजेपी की सरकार ने किया है जिसका हम विरोध करते हैं। कार्यक्रम को जिला कांग्रेस कमेटी से नियुक्त प्रभारी गिरीश चंद्राकर ने कहा कि बिजली कटौती से किसान परेशान है खेती किसानी के काम में बिजली बंद होने के कारण काफी दिक्कत हो रहा है रोपाई का कार्य बहुत पिछड़ गया है , जिले के सेवा सहकारी समितियां में खाद की कमी के कारण भी किसान परेशान है।नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विकास चोपड़ा ने भाजपा सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से बालोद के लिए स्वीकृत राशि को रोकने का काम किया जा रहा है जो बालोद के साथ अन्याय है ,और साथ ही साथ बालोद जिले में बेतहाशा विद्युत कटौती किया जा रहा है, जिसका मंच के माध्यम से पुरजोर विरोध किया गया। कार्यक्रम को कृष्णा दुबे , राम जी भाई पटेल , शारदा सिन्हा , लता कोरार्म, पद्मिनी साहू , अमृता नेताम ,राकेश ठाकुर , ने भी संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर प्रहार किया।कार्यक्रम का संचालन अंचल प्रकाश साहू ने किया। कार्यक्रम के अंत में तहसीलदार को मुख्यमंत्री जी के नाम से ज्ञापन सौंपा गया कार्यक्रम का आभार अनिल यादव जी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रोहित सागर , गोपी हिरवानी , भूषण लाल श्रीवास्तव , उदय राम आरेंद्र, श्जमील बख्श, देवेंद्र साहू, शंभू साहू , बालक दास मानिकपुरी , धर्मेंद्र रामटेके, उकेश कुमार मरकाम, देव कुमार पटेल ,गिरधर लाल चंद्राकार, मोहनीश पारकर, राजेंद्र सोकुटिया ,विनोद बंटी शर्मा, संतोष चौधरी, हेमंत कुमार यादव, द्रोणाचार्य साहू, रामचंद्र धृतलहरे, कमलेश श्रीवास्तव, तीरथ राम रावते,विमलेश कुमार, प्रेमलाल सिन्हा, पुरेंद्र कुमार देशमुख, येनुराम साहू, सुनील मालेकर, संदीप साहू ,मुरलीधर भूआर्य,हरचरण सिंह कटयाल शेख मतीन, विवेक पांडे, पुराणिक साहू , संतोष धनकर, संदीप साहू , आदित्य दुबे , साजन पटेल उपस्थित रहे।

परिसीमन कार्यवाही नियमानुसार संभव नहीं – कुलबीर छाबड़ा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। आम निर्वाचन 2024-25 वार्डों के हो रहे परिसीमन को लेकर निगम के वरिष्ठ पार्षद कुलबीर सिंह छाबड़ा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि नीतिगत परिसीमन संभव नहीं जिसको लेकर सचिव छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग, नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्रालय, संचालक नगरीय प्रशासन विकास छत्तीसगढ़, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, नगर निगम निगम आयुक्त एवं एसडीएम को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए नगर निगम के वरिष्ठ पार्षद कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 10 (4) के तहत जैसे ही किसी नगर पालिक क्षेत्र के वार्डों की रचनापूर्ण हो जाती है, राज्य सरकार द्वारा उसकी रिपोर्ट निर्वाचन आयोग को दी जाती है, परंतु किसी भी नगर पालिक निगम के कार्यकाल की पूर्णता के छह माह पूर्व क्षेत्र के सम्मिलित किए जाने या हटाए जाने अथवा वार्डों के सुधार की प्रक्रिया अनिर्वायत पूर्ण कर ली जाए, अन्यथा राज्य निर्वाचन आयोग पूर्व निर्धारित एवं प्रचलित परिसीमन के आधार पर निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ करता है। संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास का आदेश पत्र क्रमांक

शा.01/विविध/4834/2018 2034 अटल नगर नवा रायपुर दिनांक 14.06.2024 में वर्णित नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 10 (3) तथा छत्तीसगढ़ नगर पालिक अधिनियम 1961 की धारा 29 (3) के तहत वर्ष 2011 की जनसंख्या के प्रकाशित आंकड़ों को दृष्टिगत रखते हुए वार्डों के परिसीमन की कार्यवाही किया जाना उल्लेखित है, जबकि समस्त कलेक्टरों को जारी निर्देश पत्र क्रमांक संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास क्रमांक शा-01/विविध/4834/2024 2032 अटल नगर नवा रायपुर दिनांक 14.06.2024 में वर्णित छग नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 10 (3) तथा छणगण् नगर पालिक अधिनियम 1961 की धारा 29 (3) तथा छग नगर पालिक अधिनियम 1961 की धारा 29 (3) के तहत वर्ष 2011 को जनगणना के पश्चात नगरीय निकायों की जनसंख्या में वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए नगरीय निकायों के वार्डों का परिसीमन किया जाना उल्लेखित है। नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 10 (4) में वर्णित समय.सीमा निगम कार्यकाल 05 वर्ष होने के छह माह पूर्व परिसीमन की कार्यवाही अनिर्वायत: पूर्ण की जानी थी, जबकि कार्यकाल 09.01.2025 को पूर्ण हो रहा है। अत: परिसीमन की कार्यवाही अनिर्वायत: नियमानुसार माह जून 2024 तक पूर्ण हो जाना थाए किन्तु समय सीमा में परिसीमन की कार्यवाही पूर्ण नहीं हुई है।

वरिष्ठ पार्षद श्री छाबड़ा ने आगे कहा कि नियमानुसार नगर पालिक निगम अधिनियम 10 (4) के तहत राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व निर्धारित एवं प्रचलित परिसीमन के आधार पर निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाये। संचालनालय के आदेश के अवलोकन से स्पष्ट है कि आदेश में 2011 की जनगणना को आधार मानना है और पत्र क्रमांक-2032 समस्त कलेक्टर छग को दिए गए निर्देश में 2011 के जनगणना के पश्चात नगरीय निकाय जनसंख्या में हुई वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए परिसीमन किया जाना है, दोनों पत्रों में विरोधाभास है। अत: इस कारण परिसीमन किया जाना वास्तविक रूप में संभव नहीं है।

पौधरोपण ग्लोबल वार्मिंग से बचाने वाला सुपरहीरो- आनंद

रथयात्रा पर युवाओं ने रोपे पौधे, प्रकृति प्रभावित होगी तो जीवन प्रभावित होगा- छगन

उतई/दुर्ग (समय दर्शन)। भारत की सांस्कृतिक धरोहर एवं विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा के पावन पर्व पर शौर्य संगठन के बैनर तले कोड़िया के युवाओं ने स्वयं और समाज के लिए रविवार थीम पर पौधरोपण किया।

शौर्य संगठन के पर्यावरण संरक्षण एवं कुरीति उन्मूलन विभाग प्रमुख आनंद निषाद ने बताया शौर्य संगठन पिछले ढेड़ दशक से पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। इस कार्य के लिए समय समय पर विभिन्न वर्गों के लोगों को साथ लेकर कार्यक्रम आयोजित करते हैं। ग्राम में एक परिवार एक पौधा अभियान के अंतर्गत पुरखौती उपवन का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही ग्राम के अन्य हिस्सों में भी अभियान चलाकर पौधरोपण सहित अन्य पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रम आयोजित करते हैं। ग्राम के कई युवा जो सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग हैं लेकिन दुरस्त कार्यक्षेत्र होने के कारण शामिल नहीं हो पाते उनके लिए एक विशेष अभियान स्वयं एवं समाज के लिए रविवार की शुरुआत की गई हैं। इस

अभियान के तहत नौकरीपेशा एवं दुरस्त क्षेत्रों में कार्य करने वाले युवाओं को आमंत्रित कर प्रत्येक रविवार को सामाजिक सहभागिता को सुनिश्चित करने कार्यक्रम किये जायेंगे। आनंद निषाद ने आगे कहा पेड़ों की कमी के कारण पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से जूझ रहा है। इस समस्या से निजात पाने के लिए पौधरोपण सुपर हीरो की तरह कार्य करेगा। इसी के तहत पिछले 3 सप्ताह से ग्राम के मुख्य व सहायक मार्गों को हराभरा करने पौधरोपण किया जा रहा है। दुर्ग कलेक्टर स्टेनो दीपक यादव ने रथयात्रा की बधाई देते हुए कहा रथयात्रा पर्व धार्मिकता के साथ प्राकृतिक महत्व से परिपूर्ण है। इसके प्रत्येक दिन के रस्म हमें प्रकृति से जुड़ने की शिक्षा देती है और इसी सीख के आधार पर हम युवाओं को गांव के साथ साथ सम्पूर्ण देश को हराभरा करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। स्मार्ट क्लिक स्टूडियो संचालक छगन साहू ने कहा कि पेड़-पौधों के अंधाधुंध कटाई से प्रदूषण फैल रहा है। बढ़ते प्रदूषण से प्रकृति खतरे में हैं। प्रकृति जीवन जीने के लिए सभी जीव को हर जरूरी चीज उपलब्ध कराती है। ऐसे में अगर प्रकृति प्रभावित होगी तो जीवन प्रभावित होगा। प्रकृति को हरा भरा रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाना चाहिए। इस अभियान को मूर्तरूप देने के लिए शौर्य संगठन पर्यावरण संरक्षण विभाग प्रभारी व ई-जोन चॉइस सेंटर संचालक आनंद निषाद, दुर्ग कलेक्टर स्टेनो दीपक यादव, गजानंद पेंट्स रिसाली संचालक तोपेन्द्र साहू, इंटीरियर डिजाइनर चिरंजीव निषाद, शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल सुरडोंगर व्याख्याता ईशु साहू, स्मार्ट क्लिक स्टूडियो संचालक छगन साहू, शौर्य संगठन सचिव आदित्य भारद्वाज, मेहुल निषाद व धावी साहू सहित शौर्य संगठन के पदाधिकारियों का विशेष योगदान है।

'मजदूरों ने अपना मेहनताना दिलाने कलेक्टर से लगाई गुहार, आवेदन लेकर पहुंचे मजदूर'

स्कूल के सामने स्पीड ब्रेकर बनवाने दिया आवेदन'

खुर्सीपार निवासी वर्ल्ड पैरा आर्म रेसलिंग चैम्पियनशीप में भाग लेने फंड की मांग'

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 171 आवेदन प्राप्त हुए।

खुर्सीपार निवासी वर्ल्ड पैरा आर्म रेसलिंग चौम्पियनशीप में भाग लेने फंड की मांग की। उक्त चौम्पियनशीप का आयोजन यूरोप में अगस्त माह में होने वाला है। इसके पहले महाराष्ट्र एवं मथुरा में आयोजित नेशनल एंड पैरा आर्म रेसलिंग चौम्पियनशीप में गोल्ड मैडल प्राप्त कर चुकी है। इस वर्ष भी चौम्पियनशीप में भाग लेना चाहती है लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बजट वहन करने में असमर्थ है। चौम्पियनशीप में भाग लेकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करना चाहती है। इस हेतु फंड के लिए आवेदन दिया। ग्राम कौही निवासी आवेदिका ने शारीरिक एवं मंद बुद्धि के चलते पेंशन राशि हेतु आवेदन दिया। अपने पिता के साथ पहुंची आवेदिका, जो कि शारीरिक एवं मंद बुद्धि से ग्रस्त है। पिता ने बताया कि पेंशन राशि के लिए ग्राम पंचायत कौही आवेदन दिया गया था, किंतु आज दिनांक तक इसका लाभ प्राप्त नही हो पाया है। इस पर दोनों ही प्रकरणों में कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को नियमानुसार कार्यवाही करने को कहा। मजदूरी पैसा दिलाने आवेदन लेकर पहुंचे मजदूरों ने बताया कि ग्राम निपानी मंडी के धान खरीदी केन्द्र सेवा सहकारी समिति मर्यादित उपार्जन केन्द्र में हेमाली का कार्य करते है। समिति के नियम अनुसार सभी मजदूर आपसी सलाह से किसी एक के खाते में मजदूरी का पैसा ट्रांसफर होने के पश्चात अपने-अपने हिस्से के बंटवारे की बात हुई थी। मेहनताना की पहली किश्त प्राप्त होने पर सभी ने अपने-अपने हिस्से का बंटवारा किया, किंतु दूसरी किश्त आने पर पैसे मंगे जाने पर पैसा नही देने की बात करने लगे, जिससे सभी मजदूर बहुत परेशान और दुखी हैं। मजदूर गांव वाले कोर्ट कचहरी नही जानते और न ही इतने पैसे भी नही है। इस पर कलेक्टर ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक को तत्काल परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम परसदा निवासियों ने स्पीड ब्रेकर बनवाने के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि रोड के किनारे स्कूल संचालित होने के कारण बच्चों का आना जाना लगा रहता है। चूंकि किसी प्रकार की गति अवरोधक नही होने के कारण रोड पार करने में स्कूली बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गरीब किसान के ट्रैक्टर पर कार्यवाही और हाइवा को खुली छूट ?

खनिज विभाग का खुला संरक्षण में आधे दर्जन हाइवा रोज सारंगढ़ से गुजर सरायपाली पहुंच रहा ?

योगेश कुर्रे

सारंगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देश पर खनि अधिकारी हीरादास भारद्वाज के मार्गदर्शन में खनिज एवम पुलिस विभाग के सयुंक्त दल द्वारा सरसीवा और कोसीर क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। ग्राम पेंड्रावन में खनिज रेत के 04 तथा 01 ट्रैक्टर चूना पत्थर के अवैध परिवहन में संलिप्त पाया गया। इन 05 ट्रैक्टर को जप्त कर थाना सरसीवा और 01 ट्रैक्टर को कोसीर थाना के सुपुर्दगी में दिया गया। इस प्रकार कुल 06 ट्रैक्टर की जप्ती की गई है।

यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 एवम् खान एवं खनिज विकास आधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की जाएगी।साथ ही अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण की कार्यवाही आगे भी निरंतर कलेक्टर के निर्देश पर की जायेगी। जांच टीम में दीपक पटेल अनुराग नंद सहित पुलिस कर्मी शामिल हुए।

कार्यवाही देख आप भी सोच रहे होगे सारंगढ़ खनिज विभाग सक्रिय

अपको बता दे जिस तरह से आप सब लगातार विगत 4 महीने को खबर या शोशल मीडिया को अब जब जब देखे है हर महीने में दो से 3 कार्यवाही खनिज विभाग की आपको जरूर देखने को मिला कभी भटगांव की ट्रैक्टर तो कभी सारंगढ़ ,तो कभी कोसीर, सरसीवा जैसे महीने में दर्जनों गाड़ियों पर कार्यवाही की गई इस खबर या कार्यवाही से आपको लग रहा होगा की सारंगढ़ जिला प्रशासन और खनिज विभाग कभी सक्रिय है और लगातार सारंगढ़ को अवैध , भ्रष्टचार से मुक्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे और जिले में ऐसे ही अधिकारियों की जरूरत है जिला विकास हित में ऐसी कार्यवाही लगातार जारी रहनी चाहिए लेकिन क्या सिर्फ एक छोटे गरीब किसान जिनका जीवन रोजी मजदूरी से चल 4 से 500 रूपये के लिए कड़ी मेहनत करते है ऐसे लोगो पर ही सिर्फसारंगढ़ की जिला प्रशासन और खनिज विभाग सक्रिय है लेकिन उन गाड़ियों का किया जो लगातार दिन रात पोकलेन या जेसीबी मशीन से अवैध उत्खनन कर अवैध परिवहन ट्रेक्टर नहीं बल्कि सीधे हाइवा से कर रहे जिनकी गाड़िया खुलेआम गांव गली शहरों की सड़क से होकर गुजर रहा कई तो जांच चौकी जैसे स्थानों से भी गुजर रहा बिना कागजात के उसके बाद भी न तो जिला प्रशासन का कोई निर्देश आ रहा और ना ही खनिज विभाग की दबिश ऐसा लगता है की जिला प्रशासन सिर्फ गरीबों और लाचार मजदूरी के लिए कर रहे उन पर कहर बनकर टूट रहे और बड़ी बड़ी माफिया वही जिला प्रशासन या खनिज दफ्तर तक पहुंच कर दुवा सलाम के साथ खुलेआम कर रहे आखिर जनता अब सवाल उठना शुरू कर चुकी जिस तरह से गरीब किसान पर कार्यवाही हो रहे अब तो उससे अमजाता भी परेशान होकर कहने लग गए की क्या उन अधिकारियों की आंखों में बड़ी बड़ी हाइवा और जेसीबी मशीन से रेत निकाल रहे उस पर क्यों कार्यवाही नहीं कर रहे खैर जनता की सवाल भी लाजमी है यहां तो कार्यवाही वाली पोकलेन गाड़िया छूटते ही नदी में उतर जाती है ?

अवैध रेत ट्रैक्टर पर कार्यवाही कर खानापूर्ति कर रही खनिज विभाग : अपको बता दे लगातार जिले के कई क्षेत्र में रेत परिवहन और खनिज संपदा जैसे अवैध कार्यों में खनिज विभाग की कार्यवाही लगातार जारी है जो की सराहनीय है और इस तरह की कार्यवाही लगातार चलती रहनी चाहिए लेकिन क्या सिर्फ ट्रैक्टर पर कार्यवाही कर अपना पल्ला छाड़ ले

रहे विभाग जिस निर्देश के साथ यह कार्यवाही होता है उन तमाम अधिकारियों तक सिघनपुर पासीद घाट पर लगातार अवैध रेत परिवहन जारी है लेकिन उनमें कोई कार्यवाही नहीं ?आखिर वह किसके संरक्षण में चल रहा और कैसे जिला आलाधिकारी से लेकर खनिज अधिकारी की आंखे धुंधली पड़ रही विगत कुछ दिनो पीछे भी लगातार ग्रामीणों ने भी अधिकारियों को अवगत करवाया समाचार भी प्रकाशित किया गया लेकिन उसके बाद भी धड़ल्ले से चल रहे पोकलेन पर कोई कार्यवाही नही आखिर ये रिश्ता और माजरा क्या कहलाता है? आखिर दिन रात खुलेआम चल रहे पोकलेन पर क्यों कार्यवाही नही किया गया बल्कि 2 ,5 ट्रैक्टर जप्त कर अपनी जिम्मेदारी और फर्ज बखूबी निभा रहे विगत कुछ दिनो पीछे खनिज की सेंट्रल टीम और जिला टीम सिघनपुर पसीद घाट से कार्यवाही कर पोकलेन जप्त किया लेकिन हुआ क्या महज 1 महीने नही बीते उसके बाद वही पोकलेन 4 से 5 लाख रूपये का जुर्माना देकर छूट जाता है और छूटने के बाद सीधा फिर महानदी का सीना छन्नी करने नदी में उतार जाता है मानो जैसे जुर्माना पटाकर रेत के टेंडर ही रेत माफिया को मिल गया आपको बता दे राजस्थान का व्यक्ति सिघनपुर में रहकर रेत परिवहन को खुलेआम अंजाम देता है पोकलेन के साथ आधी दर्जन से ज्यादा हाइवा बेखौफ होकर सरायपाली महासमुन्द जिला तो सक्ति, जांजगीर चांपा जिला में परिवहन करता है और खनिज विभाग को सब पता रहते कोई कार्यवाही नहीं करता आखिर क्यों? क्या खनिज विभाग ने रेत माफिया को खुला संरक्षण दे रहा ? या फिर कृष्ण राजपूत ने नोटो का चढ़ावा देकर संरक्षण का हकदार बन रहा फिलहाल जो भी रहे लेकिन खनिज विभाग को जागने की जरूरत है ?

जनता की माग पर प्रेस क्लब ने उठाया अवैध रेत परिवहन का मुद्दा

जिला प्रेस संघ ने कलेक्टर के नाम खनिज अधिकारी को अवैध रेती संचालन करने वाले माफिया के ऊपर कार्यवाही करने को लेकर ज्ञापन सौपा वही आपको बता दे ग्रामीण जनों ने लगातार अवैध परिवहन और सघन गली सड़क से भारी रेत से भरा वाहन गुजर रहा जिससे ग्रामीण दहशत में है और किसी अनहोनी घटना उन्हे सताया जा रहा जिसको लेकर ग्रामीण मीडिया टीम से भी लगातार शिकायत भेज रहे थे जनहित को देखते हुए प्रेस क्लब ने ज्ञापन सौंपकर रेती की अवैध परिवहन और संचालन पर अंकुश लगाने की मांग किया गया ।

ग्राम पंचायत सिघनपुर अ के सरपंच ने जिला खनिज अधिकारी से अवैध उत्खनन के बारे से की शिकायत : लगातार कई महीनो से सिघनपुर अ पासीद घाट में पोकलेन मशीन के द्वारा अवैध रेत उत्खनन करने वाले कृष्णा राजपूत के ऊपर कार्यवाही करने सिगनपुर अ के सरपंच ने कलेक्टर से दिनांक 14 - 6-2024 शिकायत किया गया था जिस पत्र में बताया की लगभग 25 अप्रैल को आया था रेत डंपिंग के लिए अनुमति मिल गया है आप पंचायत प्रस्ताव दे दीजिये करके बोलने लगा मैंने उनसे अनुमति की कॉपी और जहाँ डंपिंग करना है भूस्वामी की सहमति नोटरी प्रमाण पत्र एवं नक्शा खसरा बी 1 की कॉपी उपलब्ध कराने की मांग किया गया था, आज तक दुबारा मेरे पास कृष्णा राजपूत रेत डंपिंग की अनुमति कॉपी व भूस्वामी से सहमती प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है नहीं दोबारा मेरे पास आया है, और आज के तारीख में अवैध रेत उत्खनन करना निकालना चालू कर दिया गया है बिना पंचायत को जानकारी दिये जिसको लेकर ग्राम पंचायत के सरपंच खेलकुमारी वर्मा ने जिला खनिज अधिकारी को लिखित में शिकायत देकर अवैध खनन और परिवहन पर रोक लगाने व कार्यवाही करने की मांग किया गया था शिकायत करने के बावजूद आजतक घाट पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नही किया गया लेकिन ग्राम पंचायत की शिकायत को भी खनिज विभाग ने दरकिनार कर आंख मूंद लिया गया जिसका नतीजा यही निकला की जिस राजस्व को सरकार के खाते में जाना चाहिए उसे अधिकारी ही बिचौलिया बनकर गटक गए और काली लिफाफा के सहारे रेत का काला कारोबार चलता जा रहा है आखिर क्या माजरा है की रेत से भरी छोटे ट्रैक्टर पर कार्यवाही खनिज विभाग धड़ल्ले से कर रहा और बड़े डंफर खुलेआम चल रहा सारंगढ़ की जनता अब सवाल पूछ रही विभाग की खूब हो रही किरकिरी और भाजपा सरकार की छवि धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे?

प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा के निर्देशों को ठेंगा दिखाया खनिज विभाग ने ? : विगत दिनों प्रभारी मंत्री वर्मा ने जिला के विभागीय समीक्षा बैठक में अवैध करने करने वाले के ऊपर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये थे जिसको लेकर कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग लगातार ट्रैक्टर से अवैध रेती परिवाहन करने वाले छोटे किसान पर कार्यवाही किया जा रहा है किंतु चैन पोकलेन से डम्फर लोडिंग कर दिन दहाड़े मार्ग में चल रहा है उसपे खनिज विभाग की नजर क्यों नही पड़ रहा आखिर क्यों अवैध रेत खदान संचालित करने वालो को अभय दान दिया जा रहा है?

खबर-खास

16 को साकेत परिषद की मासिक काव्य गोष्ठी

सुरगी। साकेत साहित्य परिषद सुरगी की मासिक बैठक एवं काव्य साकेत भवन सुरगी में 16 जून रविवार को सुबह 10 बजे से रखी गई है। परिषद के अध्यक्ष लखन लाल साहू लहर, सचिव कुलेश्वर दास साहू, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू अंकुर ने साहित्यकारों से उपस्थिति की अपील की है।

एआईसीटीई और ओप्पो इंडिया ने भारत में 'जनरेशन ग्रीन' अभियान के अंतर्गत 5000 स्टूडेंट इंटर्नशिप्स द्वारा ग्रीन स्किल्स के निर्माण के लिए गठबंधन किया

रायपुर। आज ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) और ओप्पो इंडिया ने अपने 'जनरेशन ग्रीन' अभियान की घोषणा की। इस 100 दिवसीय कार्यक्रम का प्रबंधन 1स्र्क्क (वन मिलियन फॉर वन बिलियन) द्वारा किया जाएगा, और इसके अंतर्गत भारत के कॉलेजों में युवाओं को 5000 इंटर्नशिप्स के अवसरों द्वारा ग्रीन स्किल प्रदान की जाएगी। लिंक्डइन की ग्लोबल ग्रीन स्किल्स रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, ग्रीन स्किल वाले प्रत्याशियों को नौकरी मिलने की संभावना औसत कार्यबल के मुकाबले 29 प्रतिशत ज्यादा होती है। इस अभियान के अंतर्गत पर्यावरण के प्रति जागरुक कौशल का विकास किया जाता है ताकि विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ाकर उन्हें भविष्य के अवसरों के लिए तैयार किया जा सके। डॉ. टीजी सीताराम, चेयरमैन, एआईसीटीई ने कहा, ''एआईसीटीई को ग्रीन इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए ओप्पो इंडिया के साथ गठबंधन करने पर गर्व है।'' उन्होंने कहा, ''यह विद्यार्थियों के लिए सस्टेनेबिलिटी के प्रयासों में योगदान देने और अपने कौशल का विकास करने का एक बेहतरीन अवसर है, ताकि वो पर्यावरण की चुनौतियों से निपट सकें और एक ईको-फ्रेंडली दुनिया के निर्माण में योगदान दे सकें। ओप्पो इंडिया पहली इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग कंपनी है, जो एआईसीटीई द्वारा इंटर्नशिप प्रदान कर रही है।

मर्सिडीज-बेंज ने भारत में 'पहली छमाही' और 'दूसरी तिमाही' की अब तक की सबसे अच्छी सेल दर्ज की

रायपुर। हमारे उत्पादों व सेवाओं में ग्राहकों के निरंतर विश्वास के कारण मर्सिडीज-बेंज भारतीय बाजार में सबसे डिज़ायरेबल लक्ज़री ब्रांड बना हुआ है। नए और अपडेट उत्पाद, ग्राहकों के बेहतर रिटेल अनुभव, ईज़ ऑफ़ ओनरशिप तथा ग्राहकों की सकारात्मक भावनाओं ने पहली छमाही की सेल में हमारा अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन संभव बनाया है। आगामी त्योहारों के लिए हमारे पास सबसे बहुप्रतीक्षित उत्पादों की श्रृंखला है, इसलिए अगली तिमाहियों में हमें यह वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। ग्राहकों का रुझान तेजी से सस्टेनेबल जीवनशैली की ओर बढ़ रहा है और यह परिवर्तन उनके द्वारा चुने गए वाहन से प्रदर्शित होता है। श्वक्क और श्वक्तक्क युवा ग्राहकों पर केंद्रित हैं, जो स्पोर्टी, डायनामिक, अत्यधिक इंट्यूटिव बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन पसंद करते हैं, क्योंकि ये व्यावहारिक हैं और पेट्रोल एवं डीज़ल वाहनों के मुक़ाबले बेहतर ओनरशिप का अनुभव प्रदान करते हैं। जहाँ श्वक्क विश्व में मर्सिडीज-बेंज का सबसे सफ्ल बीईवी है, वहीं श्वक्तक्क 350 युवा परिवारों के लिए एक व्यावहारिक और स्टाइलिश 5-सीटर वाहन है, जो उन्हें लंबी रेंज प्रदान करता है। इसलिए यह शहर और हाईवे दोनों के लिए उपयुक्त है। इन दोनों मॉडलों में बीईवी ओनरशिप का एक आकर्षक, सुविधाजनक और उत्तम अनुभव प्राप्त होता है।

वी ने पोस्टपेड उपभेक्ताओं के लिए पेश किया नया रैडएक्स प्लान; कई ऑफर्स के साथ लेकर आए नेटफ्लिक्स की पेशकश

रायपुर। जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने आज अपने पोस्टपेड उपभोक्ताओं के नए रैडएक्स प्लान का लॉन्च किया है, इस तरह कंपनी कई एक्सक्लुज़िव फायदों के साथ बेजोड़ कनेक्टिविटी का शानदार प्रीमियम पोस्टपेट अनुभव लेकर आई है। यह नवीकृत प्लान अपने यूज़र्स के लिए प्रतिष्ठित ग्लोबल स्ट्रीमिंग सर्विस प्रदाता -नेटफ्लिक्स लेकर आया है, और उपभोक्ताओं के लिए एंटरटेनमेन्ट को और भी मज़ेदार बना दिया है। इस साझेदारी के तहत वी के पोस्टपेड उपभोक्ता अपनी पसंद की किसी भी डिवाइस- मोबाइल या टेलीविज़न पर स्ट्रीमिंग के सर्वश्रेष्ठ अनुभव के साथ विश्वस्तरीय मनोरंजन का आनंद उठा सकेंगे। आधुनिक जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए नए बेहतर रैडएक्स प्लान में मात्र रु 1201 में एंटरटेनमेन्ट, डाइनिंग, ट्रैवल, सिक्योरिटी एवं प्रायोरिटी कस्टमर सर्विस शामिल है।

30 नग हीरा कीमती 1 लाख 30 हजार के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला पुलिस कप्तान अमित तुकाराम कांबले के द्वारा समस्त थाना प्रभारी को अपने-अपने थाना क्षेत्र में अवैध जुआ,सट्टा,अवैध शराब तस्करी अवैध गांजा तस्करी पर नकेल कसने हेतु निर्देश दिए थे जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र चंद्राकर, एसडीओपी गरियाबंद सुश्री निशा सिन्हा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी छुरा द्वारा अपने थाना क्षेत्र में असूचना तंत्र को सक्रिय किया था।

जो आज दिनांक को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ कि तीन संदिग्ध व्यक्ति दो अलग-अलग मोटरसाइकिल में अपने पास बहुमूल्य हीरा रखकर ग्राम पटपरपाली से चरौदा की

ओर निकले है।हीरा की अवैध रूप से परिवहन की सूचना तस्दीक पर समक्ष गवाहन एवं हमराज स्टाफ के घटना स्थल रवाना हुआ। जो ग्राम कंदागड़ी मोड़ पहुंच कर नाकाबंदी किया गया, कुछ देर के बाद मोटर साइकिल टीवीएस एवं मोटर साइकिल डीलक्स दो अलग अलग मोटर साइकिल में तीन व्यक्ति चंद्रशेखर ठाकुर पिता स्वर्गीय दिकसन ठाकुर उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम मोंगरा थाना छुरा,आनंद मरकाम पिता स्वर्गीय दलसाय मरकाम उम्र 35 वर्ष निवासी बड़े घोटपानी थाना छुरा और सदाराम ओटी पिता स्वर्गीय नकुल राम ओटी उम्र 43 वर्ष निवासी घोटपानी थाना छुरा जिला गरियाबंद आ रहे थे,जिसे पुलिस द्वारा रोक कर पूछताछ करते हुए तीनों संदेही आरोपी का तलाशी लेने पर संदेही चंद्रशेखर ठाकुर के कब्जे से 30 नग छोटे-बड़े चमकीले बहुमूल्य खनिज पदार्थ हीरा मिला। जिसे समक्ष गवाहन की उपस्थित में कब्जा पुलिस लिया गया।आरोपियों का कृत्य अपराध धारा सदर 21(4) माइनिंग एक्ट का पाए जाने से थाना छुरा में आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी छुरा उप निरीक्षक दिलीप मेश्राम,जयप्रकाश मिश्रा,गिरधारी लाल ध्रुव, कृष्ण यादव,लैनदास रत्नाकर,अखिलेश वैष्णव राजकुमार मरकाम के साथ साइबर टीम से,स्ढ्ढ मनीष वर्मा,अंगद राव,सतीश गिरी,देवेंद्र सोनवानी,गंगाधर सिन्हा,कृतेश प्रजापति का भूमिका सराहनी रहा।

तेंदुआ खाल के साथ आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। केदार कश्यप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री छत्तीसगढ़ शासन रायपुर,सुधीर अग्रवाल प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रायपुर छत्तीसगढ,विश्वेश कुमार झा मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं क्षेत्र सचालक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व रायपुर एवं वरुण जैन, उपनिदेशक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व गरियाबंद (छ.ग.) और अजीज खान वनमण्डलाधिकारी खरियार (उड़ीसा), के कुशल मार्गदर्शन मे 7 जुलाई को गुप्त सुचना के आधार पर छत्तीसगढ़ एव उड़ीसा सीमा से लगे हुए ग्राम धुंगियामुड़ा में एक वन्यप्राणी तेन्दुए के खाल को बिक्री करने का सूचना मिला।इस सूचना के आधार पे एण्टी पोचिंग टीम उदत्ती सीतानदी टायगर रिजर्व गरियाबंद और उड़ीसा वन विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से टीम गठन कर धुगियामुड़ा से 3 किमी दूर रोड से लगे पानी पम्प का घर पर किशोर सहानंद,करात छत्रीय और लखी माझी तीनों ने तेन्दुए खाल को पीले कलर की बोरी में भरकर बिक्री करने के उद्देश्य से रखे हुये थे।जिसके

चलते संयुक्त टीम के द्वारा तीनों आरोपियों को वन्यप्राणी तेन्दुए के खाल सहित मौके पर ही पकडा गया।किशोर सहानंद पिता बलियार सहानंद,ग्राम धुंगियामुड़ा,ग्राम पचायत केंदूमुडा करात छत्रीय पिता बलराम छत्रीय, उम्र ग्राम कुरुभाठा,ग्राम पंचायत सीनापाली,लखी मांझी पिता मकरध्वज,ग्राम केंदूमुड़ा, ग्राम पंचायत केंदूमुड़ा को उड़ीसा वन विभाग के द्वारा मौके पर ही तेन्दुए खाल का नापजोक कर जप्त किया गया और उनके विरूध्द् वन अपराध पजीबध्द किया गया। तीनों आरोपियों के कथन अनुसार दो आरोपी फरार है,जिसकी पतासाजी की जा रही है। तीनों आरोपियों को 9 जूलाई को न्यायालय सीनापाली के समक्ष प्रस्तुत किया गया।इस कार्यवाही में एण्टी पोचिग टीम के नोडल गोपाल कश्यप,सदस्य सुशील सागर.प.अ.चुरामन धृतलहरे व.र. राकेश मारकण्डे, व.र. फलेश्वर दिवान, व.र. त्रिषि ध्रुव.व.र. देवीराम दै.वे. मो. पुनित दै.वे.मो. एवं वन विभाग उड़ीसा के मोहम्मद अश्तफ, ए.सी.एफ जग्तानंद मांझी परिक्षेत्र अधिकारी सीनापाली एव टीम का विशेष योगदान रहा।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए जिले के गांवों में लग रहे विशेष शिविर

9 जुलाई को कस एवं 10 को मैनपुर खुर्द, मजरकट्टा, छुरा एवं बेलर में होगा शिविर का आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। राज्य शासन के मंशानुसार लोगों के राजस्व संबंधी प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए गांवों में विशेष राजस्व शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 25 जुलाई तक जिले के विभिन्न गांवों में आयोजित होगा।इस दौरान चयनित ग्रामों में राजस्व शिविर लग रहे हैं। शिविरों में राजस्व संबंधी आवेदन लिए जा रहे है और उसका निराकरण भी किया जा रहा है। राजस्व शिविर 9 जुलाई को गरियाबंद तहसील अंतर्गत ग्राम कस में आयोजित होगा।इस शिविर में ग्राम आमझर कासरवाय, बरबाहरा, हरदी, कस, गजईपुरी, घुटकुनवापारा, सोहागपुर के ग्रामीण शामिल होकर अपना आवेदन दे सकेंगे।इसी प्रकार 10 जुलाई को मैनपुरखुर्द में शिविर लगेगा,जिसमें मैनपुरखुर्द, भाठीगढ़, हरदीभाठा, छोटेगोबरा, मैनपुरकला, तुहामटा, जाड़ापदर, जिडार के ग्रामीण शामिल हो सकेंगे।10 जुलाई को ही गरियाबंद के मजरकट्टा में शिविर लगेगा।इसमें पाथरमोहंदा, भिलाई, कोकड़ी, मजरकट्टा एवं आमदी (म) के ग्रामीण शामिल हो सकेंगे। 10 जुलाई को छुरा में शिविर का आयोजन किया जायेगा,जिसमें छुरा, खरखरा, कोसमबुडा, टेंगनाबासा एवं हरदी के ग्रामीण शामिल हो सकेंगे।10 जुलाई को फिंगेश्वर के बेलर में शिविर लगेगा। इसमें बेलर, फिंगेश्वर, परसदाकला, सेंदर, बारूला, चरौदा, कुण्डेल, सिर्रीखुर्द, बिजली एवं बोरसी के ग्रामीण शामिल हो सकेंगे।इसी प्रकार 11 जुलाई को मोखागुड़ा एवं नागाबुड़ा, 12 जुलाई को मदनपुर, कौंदकेरा,13 जुलाई को खड़मा, 15 जुलाई को पीपरछेड़ी कला,16 जुलाई को दांतबायकला 18 जुलाई को जोबा एवं देवभोग में शिविर का आयोजन किया जायेगा।19 जुलाई को सिंधौरी,आमदी-द,22 जुलाई को बिन्द्रानवागढ़,23 जुलाई को धवलपुरडीह एवं 25 जुलाई को माड़ागांव में राजस्व शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविरों में ये काम होंगे -इन शिविरों में बी-1 पठन, अविवादित नामांतरण, अविवादित बटवारा, अभिलेख अपडेट, त्रुटि सुधार संबंधी अभिलेख सुधार, नक्शा बटांकन, सीमांकन, डायवर्सन, वृक्ष कटाई की अनुमति, जाति, निवास एवं आय प्रमाण सहित अन्य कामों के लिए आवेदन लिए जाएंगे।इसके साथ ही आधार कार्ड,राशन कार्ड,आयुष्मान कार्ड,पेंशन योजनाएं,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना,वन अधिकार मान्यता पत्र, नोनी सुरक्षा किसान क्रेडिट कार्ड आदि के लिए आवेदन की कार्यवाही की जायेगी।

पीएम जनमन के तहत आवास का सपना हो रहा पूरा

योजना के तहत जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति सदस्यों का बन रहा पक्का मकानजिले में अभी तक पीएम जनमन अंतर्गत दो हजार 494 आवास स्वीकृत

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति सदस्यों को विभिन्न प्रकार की शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के पीवीटीजी परिवारों को आवास की सुविधा प्रदान की जा रही है।इस प्रकार पीएम जनमन आवास योजना लाभार्थियों के जीवन में न केवल सुधार ला रहा है,बल्कि पक्के मकान के सपनों को साकार करने का अवसर भी प्रदान कर रहा है। इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की एक नई दिशा मिल रही है, जिससे समाज के पिछड़े वर्ग को ऊपर लाने का काम किया जा रहा है।विशेष पिछड़ी जनजाति सदस्यों के प्रत्येक व्यक्ति के सिर पर एक पक्का छत हो और उसका जीवन सुकून से भरा हो,यही पीएम जनमन आवास योजना का उद्देश्य है। योजना अंतर्गत जिले में अभी तक दो हजार 494 आवास पीवीटीजी परिवारों के लिए स्वीकृत किया जा चुका है।परिवारों के लिए आवास बनाने के लिए किश्त की राशि भी जारी की जा रही है। जिससे मकान बनाने का कार्य तेजी से जारी है। फ्लस्वरूप आवास का कार्य समय अवधि में पूर्ण हो रहे है। साथ ही हितग्राहियों को घर निर्माण अवधि में मनरेगा के माध्यम से दैनिक रोजी पाने की भी सुविधा मिल रही है। इसके अलावा आवास के साथ नल जल कनेक्शन, बिजली कनेक्शन एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय बनाने की भी सुविधा मिल रही है।

पीएम जनमन आवास योजना अंतर्गत पक्के मकान की सुविधा पाने वाले ग्राम सोहागपुर के मिलउ एवं पुरन, देवगांव के रमेश कुमार कमार एवं तुहामेटा की इतवारीन ने बताया कि हर एक नागरिक का सपना होता है कि उसका अपना एक पक्का मकान हो,जिसमें वह अपने परिवारजनों के साथ सुकून से जीवन यापन कर सके। लेकिन आर्थिक स्थिति के कारण हर किसी का यह सपना साकार नहीं हो पाता। गरीब असहाय के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना वरदान साबित हो रही है। इसके लिए हम परिवार सहित प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। लाभार्थियों ने बताया कि पहले अपने पुश्तैनी कच्चे आवास में रहते थे।बरसात के मौसम में उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था।कच्चे घर में सांप बिच्छू के आने का खतरा और कच्चे मकान के छत से पानी टपकने का भी अंदेशा बना रहता था। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में पक्का आवास बनाने के लिए स्वीकृति प्रदान की गई। शासन से अनुदान में मिली राशि से अपना पक्का मकान बनाकर अब वह अपने परिवार के साथ पक्के मकान में रह रहे हैं।

डीपीएस खेलों इंडिया एकेडमी राजनांदगांव ने अखिल भारतीय अंतर साई बास्केटबॉल प्रतियोगिता जीती

पिछली विजेता साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव की टीम ने जीता रजत पदक

राजनांदगांव। भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र राजनांदगांव द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर साई और अंतर खेलों इंडिया एकेडमी बास्केटबॉल प्रतियोगिता में डी पी एस खेलों इंडिया बास्केटबॉल एकेडमी राजनांदगांव की बालिका बास्केटबॉल टीम ने अखिल भारतीय अंतर साई बास्केटबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। फायनल में डी पी एस खेलों इंडिया बास्केटबॉल एकेडमी राजनांदगांव की टीम ने पिछली विजेता साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव ए की बालिका टीम को 57-39 अंको से परास्त किया । डी पी एस खेलों इंडिया बास्केटबॉल एकेडमी राजनांदगांव की और से सानिया प्रधान,अनाया भावसार, रेवा कुलकर्णी, रूमी कोनवर, श्वेता सिंह, आर्या विजय अवारे, श्रेया घोष, नेहा मंडावी, अधिष्ठता दीप, सोफी सीका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । टीम की कोच कालवा राधा राव और सहायक कोच बबिता तिग्गा एवं गीता यादव थी। साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव की और से अदिति कोडापे, अंजली कोडापे, इशा सिंह, आयुषी पटेल, नताशा प्रजापति, वंशिका गुलिया, काम्या झा, हेमा, अनिशा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में साई ट्रेनिंग सेंटर जबलपुर की टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया। उक्ताशय की जानकारी देते हुए साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव के केंद्र प्रभारी के 0सी0 त्रिपाठी ने बताया कि डी पी एस खेलों इंडिया बास्केटबॉल एकेडमी राजनांदगांव की रेवा कुलकर्णी को प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया जबकि बेस्ट शुटर का पुरस्कार जबलपुर की मानसी मरकाम को एवं बेस्ट डिफेंसिव प्लेयर का पुरस्कार साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव की अदिति कोडापे को दिया गया। श्री त्रिपाठी ने आगे बताया कि 4 से 6 जुलाई 2024 तक आयोजित यह प्रतियोगिता रॉउंड रॉबिन लीग कम नॉकआउट पद्धति से खेली गई। समापन समारोह दिग्विजय स्टेडियम एवं जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव रणविजय प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य अंतराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे की अध्यक्षता एवं अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाडी लुमेंद साहु एवं सुश्री किरण यादव के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रशिक्षक कालवा राजेश्वर राव, कालवा राधा राव, मनिवासकम, हॉकी प्रशिक्षक अमित कुमार, बास्केटबॉल के सहायक प्रशिक्षक दिव्या, पंकज पांडे, प्रियंका गगनदीप सिंह बरार, तिरथ गोस्वामी, मुन्नालाल जायसवाल, सुखदेव राउत आदि।

रायपुर की दो कंपनियों ने टैली एमएसएमई ऑनर्स के चौथे संस्करण में हासिल की बड़ी जीत

रायपुर। जानी-मानी टेक्नोलॉजी कंपनी टैली सोल्युशन्स जो दुनिया भर के लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए आधुनिक समाधान लेकर आती है ने, देश भर में 'एमएसएमई ऑनर्स' के चौथे संस्करण के विजेताओं की घोषणा की है। डीबीएस (डेवलपमेन्ट बैंक ऑफ सिंगापुर लिमिटेड) बैंक और माय बिज़ बाय मेक माय ट्रिप द्वारा समर्थित चौथे संस्करण, टैली एमएसएमई ऑनर्स ने देश भर से 100 एमएसएमई को सम्मानित किया। इस साल दुनिया भर से मिले 19000 से अधिक नामांकनों में से रायपुर से दो कंपनियों एटीसी कॉर्पोरेशन और टेकचैरी सॉफ्टवेयर कन्सलटेन्सी सर्विसेज़ ने जीत हासिल की है। टैली एमएसएमई ऑनर्स, एक सालाना पहल है, जिसके तहत उन बिज़नसेज़ एवं एंटरप्रेन्योर्स को पहचान कर सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दिया हो। ये सम्मान एमएसएमई की सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं के माध्यम से उनके सकारात्मक प्रभाव एवं विविधता की पुष्टि करते हैं। इस प्लेटफॉर्म को कई जाने-माने संगठनों का समर्थन प्राप्त है, इस साल यह पहल देश के हर कोने तक पहुंची तथा दूर-दराज के इलाकों एवं छोटे क्षेत्रों जैसे उन्नाव, अगरतला, वापी, आसनसोल आदि के बिज़नसेज़ को पहचान कर सम्मानित किया। एमएसएमई ऑनर्स एक समावेशी मंच है जो सुनिश्चित करता है कि विभिन्न शहरों, वर्गों के उन गुमनाम नायकों को सम्मानित किया जाए जो अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान दे रहे हैं। ये सम्मान अन्तर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर साल में एक बार दिए जाते हैं तथा 250 करोड़ से कम टर्नओवर वाले सभी बिज़नसेज़ जिनके पास जीएसटी रजिस्ट्रेशन है, वे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। एटीसी कॉर्पोरेशन के आशीष मखारिया को 'न्यू जैन आइकन' कैटेगरी में सम्मानित किया गया है। 2019 में आईआईएम के पूर्वछात्र द्वारा स्थापित यह कंपनी आधुनिक समाधान उपलब्ध कराती है और इंजीनियर्ड बियरिंग्स बनाती है।

//न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग//

//उद्घोषणा पत्र//

रा.प्र.क्र./. /अ-6/2023-24/

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका रवि शेखर प्रसाद पिता/पति नरेश प्रसाद सिन्हा निवासी ग्राम राजनांदगांव तहसील व जिला राजनांदगांव द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 150/71 रकबा 2200 वर्गफीट भूमि को विक्रेता मेसर्स शिल्पी पार्टनर एंड एस नागले पिता एस.पी. नागले निवासी ग्राम नेहरू नगर भिलाई से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 27/3/1993 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किय जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुतं किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 16/7/24 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज 28/6/24 यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक - 28/6/24
सुनवाई दिनांक- 16/7/24

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भिलाई-03, जिला दुर्ग (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202405104300124 अ-2/ वर्ष 2024
ग्राम- जामुल, प.ह.नं 01, तहसील भिलाई 03

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मरियम दीप पति प्रकाश दीप, जाति-उड़िया, निवासी मार्केट पावर हाउस भिलाई के द्वारा ग्राम जामुल, प.ह.नं 01 रा.नि.मं- जामुल, तहसील भिलाई 3, जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं.- 581/67, रकबा 0.011 हे. भू-राजस्व 0.03 रूपये को छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 59 के तहत धार्मिक प्रयोजन हेतु पुनर्निधारण किये जाने हेतु बी-1, खसरा की नकल, पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति एवं नगर एवं ग्राम निवेश विभाग दुर्ग से भू-उपयोगिता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है तथा दिनांक 19.06.2024 को सुनवाई हेतु नियत है।

अतः उक्त भूमि का धार्मिक प्रयोजन हेतु पुनर्निर्धारण करने पर जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे प्रकरण नियत दिनांक 19.06.2024 तक स्वयं या अपने वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.05.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
भिलाई-03

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 2

मामले की श्रेणीः राजस्व

//ईश्तहार//

संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00017 सिकोला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- आरडी 202324430107400073

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00017 के अंतर्गत ग्राम सिकोला के वर्तमान भूमिस्वामी राजेन्द्र कुमार ठाकुर पिता/पति-सालिक राम पता-सुभाष नगर कसारीडीह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 28/193(0.0280) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता पूर्णिमा ठाकुर पिता/पति स्व. श्री राजेन्द्र कुमार ठाकुर पता-म.न. 370, सुभाषनगर, कसारीडीह दुर्ग तह. व जिला दुर्ग, ना.बा. पौरुष ठाकुर पिता/पति-पिता स्व. श्री राजेन्द्र कुमार ठाकुर वली पालक मां पूर्णिमा ठाकुर पता-म.न. 370, सुभाष नगर, कसारीडीह दुर्ग तह. व जिला नाबा काव्या ठाकुर पिता/पति-पिता स्व., श्री राजेन्द्र कुमार ठाकुर वली पालक मां पूर्णिमा ठाकुर पता-म.न. 370, सुभाषनगर, कसारीडीह दुर्ग तह. व जिला दुर्ग के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 11/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 2 पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

एकलव्य विद्यालय महासमुंद के लिए मोहगांव स्कूल के तीन बच्चों का चयन

बसना(समय दर्शन)। बसना विधानसभा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव के तीन विद्यार्थियों का एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय महासमुंद के लिए चयन हुआ है। वर्ष 2024 के चयन परीक्षा में शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव के अनुसूचित जनजाति वर्ग के चार बच्चों ने प्रवेश परीक्षा दी थी । जिसमें से तीन बच्चे चयनित होने में सफल रहे। चयनित बच्चों में(1)कु. काव्या बरिहा पिता अहीर कुमार बरिहा, (2)दीपक भोई पिता लक्ष्मण भोई,(3) अंश सिदार पिता पद्मलोचन सिदार हैं। विद्यालय के प्रधान पाठक भोजराज प्रधान के कुशल मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय हेतु बहुत सारे बच्चों का चयन हो रहा है। इस वर्ष मोहगांव विद्यालय के कुल 21 बच्चों का चयन हुआ है। बच्चों के चयन होने पर विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी के. के. ठाकुर, बी. आर. सी. जगदीश कन्हेर, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विजय बारीक, ग्राम पंचायत मोहगांव के सरपंच श्रीमती चंद्रमा टिकेलाल भोई, रोहित प्रधान, प्रणव प्रधान, बलदेव बारीक, रमेश प्रधान, रत्नाकर प्रधान, जगदीश कुमार हाई स्कूल प्राचार्य, रविलाल प्रधान पूर्व माध्यमिक शाला प्रधान पाठक, शिक्षक हेमन्त कुमार कर, गौरीशंकर पण्डा, श्रीमती कविता बढ़ाई, सालिकराम बंजारे, बी आर भोई, अंजय कश्यप संकुल समन्वयक, भोजराज प्रधान प्राथमिक शाला प्रधान पाठक सहित समस्त ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बच्चों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

एक पेड़ मां के नाम थीम के साथ कन्या शाला के स्काउट गाइड ने किया वृक्षारोपण

बसना (समय दर्शन)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना में एक पेड़ मां के नाम थीम को लेकर भारत स्काउट्स एंड गाइड्स विकासखंड बसना द्वारा विभिन्न स्थानों पर राज्य मुख्यालय रायपुर के आदेशानुसार एवं जिला मुख्यालय महासमुंद के निर्देशानुसार वृहद पौधरोपण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जामुन, नीम, आम, करंज, जाम, मुनगा आदि विभिन्न वृक्षों का स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में विवेकानंद दास सचिव विकासखंड स्काउट गाइड संघ बसना के देखरेख में किया गया। इस दौरान स्काउट एण्ड गाईड प्रभारी विवेकानंद दास के अलावा शिक्षक श्रवण कुमार विशाल, सुदर्शन मान, गाईड कु. लिजा सेठ,नेहा पटेल,खिलेन्द्री साव,सुमन साव,चांदनी देवांगन,कहक्सा अंजुम,रोशनी साहू, चांदनी बुडेक,माही प्रधान,श्रुति साहू, संगीता,पल्लवी आदि उपस्थित थे ।

डीएव्ही पब्लिक स्कूल में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण

किरंदुल (समय दर्शन)। वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत डीएव्ही पब्लिक स्कूल किरंदुल द्वारा स्थानीय पुलिस थाना परिसर किरंदुल में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य पी एल वर्मा जी एवं रेंजर लीडर तृप्ति श्रीवास्तव, गाइड कैप्टन अनामिका एक्का स्काउटर नारायण प्रसाद, एवं थाना प्रभारी दीनानाथ वैष्णव, हेमंत साहू(उपनिरीक्षक), के सीमा चलम (सहायक उपनिरीक्षक), अनिता चौधरी(सहायक उपनिरीक्षक), नरेश मंडल(प्रधान आरक्षक) और विद्यालय के स्काउट - गाइड एवं रेंजर छात्र -छात्राओं के सहयोग से पपीता, अमरुद, आंवला, कटहल, सहजन, नींबू के पौधों का रोपण किया गया। पर्यावरण की समस्या एवं ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए आज की स्थिति में वृक्षारोपण का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है जिसमें उपरोक्त महानुभावों एवं बच्चों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कूड़ो मार्शल आर्ट को विभागीय मान्यता मिलने से खिलाड़ियों में हर्ष-उपेन्द प्रधान

बसना(समय दर्शन)। 7 जुलाई दिन रविवार को एकेडमी 360 सुराना स्कूल कैम्पस दुर्ग मे कूड़ो एसोसिएशन छत्तीसगढ़ का वार्षिक बैठक आयोज किया गया ।

जिसमे छत्तीसगढ़ राज्य के ,बसना ,सरायपाली, पिथौरा, महासमुंद, दुर्ग , कोरबा , बालोद , कोरिया, मनेन्द्रगढ़ , गरियाबंद ,धमतरी सरगुजा , राजनांदगाव ,बलौदा बाजार - भांटापारा, कबीरधाम, रायपुर ,खैरागढ़, रायगढ़, मुंगेली के प्रतिनिधियों के रूप मे अध्यक्ष , व सचिव उपस्थित रहे ।

कूड़ो एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्रीमती अनुराधा ,सचिव सेन्साई लीलिमा , सेंसाई राजा कौशल, सेंसाई मनीष , सेंसाई भूपत आदि प्रमुख पदाधिकारी के साथ बसना के उपेन्द प्रधान बतौर जिलाध्यक्ष के रूप उपस्थित होकर अपनी बात रखी । प्रदान ने बताया कि, सर्वप्रथम कूड़ो मार्शल आर्ट को खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ से विभागीय मान्यता मिलने पर समस्त पदाधिकारियों ने,बधाई दिए। उपेंद्र प्रधान ने बताया कि,इस खबर से खिलाड़ियों के लिए निश्चित तौर पर बहुत अच्छी खबर हैं अब खिलाड़ियों को प्रशासनिक लाभ से वंचित नहीं होना पड़ेगा ।

सभी कूड़ो मार्शल आर्ट के खिलाड़ीयो मे खुशी की लहर है। आगामी राज्य स्तरीय चैंपियनशिप अगस्त 21,22,23, को कराये जाने की योजना पर चर्चा करते हुए कहा कि, इस बार हमारे खिलाड़ी अथक मेहनत करते हुए पसीना बहा रहे है वह बेकार नही जाएगा, बसना सरायपाली पिथौरा व जिला के साथ छत्तीसगढ़ का नाम रौशन करने वाले हैं ।

जिसमे खिलाड़ी अपने हुनर दिखाएंगे बैठक में महासमुंद जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए उपेंद्र प्रधान एवं दीपक निषाद उपस्थित रहे। यह सूचना जिला खेल अधिकारी मनोज घृतलहरे खेल एवं युवा कल्याण विभाग महासमुंद को प्राप्त होने पर जिले के सभी कोच एवं खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उज्वल भविष्य की कामना किए ।

विश्व हिन्दू परिषद ने गुरू पादुका पालकी यात्रा का बसना मे किया स्वागत

बसना(समय दर्शन)। गुरू पूर्णिमा महोत्सव पखवाडा के प्रारंभ मे परमहंस स्वामी श्री निखिलेश्वरानंद (डा.नारायण दत्त श्रीमाली जी) का पादुका पालकी यात्रा श्रीमाली गुरुदेव के प्रिय शिष्य स्वामी श्री अनिल कुमार जोशी गुरुजी के आशीर्वाद एवम सानिध्य में जगन्नाथ महाप्रभु जी की रथयात्रा के पावन दिवस मे दिनांक 07जुलाई2024 को प्रात: 10:30 बजे शासकीय कन्या शाला परिसर स्थित श्री सिद्ध संकट मोचन हनुमान मंदिर में पूजन पश्चात पालकी का पद यात्रा

नगर के गणमान्य श्रद्धालुओं के साथ आदि योगी शिव मंदिर तक किया गया ।

गुरु पादुका पालकी का स्वागत विश्व हिंदू परिषद एवम बजरंग दल के प्रमुख एवम नगर वासियो के द्वारा वैदिक पंचोपचार के साथ पूजन किया

गया तथा नगर के चहुँमुखी विकास की प्रार्थना करते हुए पालकी को निखिल चेतना केंद्र हैदराबाद जाने के लिए विदा किया गया। इस दौरान नगर वासियों ने अनेक जगह पालकी का स्वागत करते हुए आरती पूजन कर पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद लिया । कार्यक्रम चेतना केन्द्र बसना प्रतिनिधि लोकनाथ जगत,आरती ठाकुर, अभय धृतलहरे एवं विश्व हिन्दू परिषद के साथियों ने उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया । इस दौरान विहिप जिलाध्यक्ष सौरव अग्रवाल,जिला सह मंत्री बसंत देवता, प्रमुख गण रमेश अग्रवाल,अर्चक पुरोहित संकट मोचन हनुमान मंदिर श्याम किशोर झा, अर्चक पुरोहित पुष्पेन्द महाराज, विद्या पटेल, गजेन्द्र साहू, सुभाष प्रधान, अमृत चौधरी, आनंद विलास दास, सेवकदास दीवान, रिषीकेशन दास,प्रदीप दास, मनहरण सोनवानी, अरूण प्रधान,अनिल साव, संजय मित्तल, साँवर अग्रवाल,घनश्याम अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, सोल्डी गुप्ता, आरती प्रधान, ललिता सिह, दुर्लभ प्रधान,चंदन किशोर, रामबिहारी पाण्डे, सरदार दया दास,गिरजा सागर, मधुसूदन सागर ,बिट्टू सागर आदि अनेक श्रद्धालुओ ने पालकी यात्रा मे भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किये ।

अघोषित बिजली कटौती से सभी वर्ग परेशान, कांग्रेसियों ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

पाटन (समय दर्शन)। पाटन विधानसभा के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर द्वारा संयुक्त रूप से जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के आव्हान पर अनुविभागीय अधिकारी पाटन को अघोषित बिजली कटौती बंद करने एवं अटल ज्योति योजना के तहत कृषि पंप के घोषित कटौती को बंद कर अनावरत आपूर्ति सुनिश्चित कर कृषि पंप के जर्जर फिडर को सुधार करने हेतु मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया ।उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप सेचैतन्य बघेल जी,महेंद्र वर्मा जी, हेमंत देवांगन जी,राजेश ठाकुर जी ,आशीष वर्मा जी, कौशल चंद्राकर जी,अशोक साहू जी राकेश ठाकुर जी, अश्वनी साहु जी,भूपेंद्र कश्यप जी, उमाकांत चंद्राकार जी, खिलेश मारकंडे जी सालिक साहु, पुरषोत्तम कश्यप जी, लीलाधर वर्मा,नरेश श्रीवास जी, प्रशांत शुक्ला, नीरज सोनी, गोपाल देवांगन, भूपेन्द्र बघेल,दिनेश शर्मा, मनोज वर्मा, आशीष वर्मा, कमल किशोर वर्मा, विनय पटेल, अजय सिंगोर, देवेन्द्र चंद्रवंशी,कपिल वर्मा, सोमेश चंद्राकार, हेम चंद्राकार, त्रिभुवन यदु, सोहन वर्मा, पप्पू रात्रे, आदित्य चंद्राकार, संजय,भेष आथे जी,आदित्य चंद्राकार, संजय वर्मा,निशांत त्रिपाठी, गौतम कौशिक, आशु वर्मा,आदि उपस्थित थे।

बसना मे जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा निकाली गई

बसना(समय दर्शन)। बसना नगर सहित क्षेत्र के ग्रामों में जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा अत्यंत हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। बता दें कि बसना श्रीराम जानकी मंदिर मे दिन भर विशेष पूजन अनुष्ठान का दौर चलता रहा। मध्याह्न 12:30बजे से 2बजे तक जगन्नाथ महाप्रभु जी का भोगप्रसाद भण्डारा के रूप मे मंदिर परिसर में नगर व क्षेत्र वासियों को भोजन प्रसाद वितरण किया गया ,जिसमे सैकड़ों श्रद्धालुओ ने भगवान जगन्नाथ महाप्रभु जी का प्रसाद ग्रहण कर तृप्त हुए।

अपरान्ह 3 बजे से संध्या 4:30बजे तक विशेष पूजन पश्चात् भगवान जगन्नाथ महाप्रभु, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को विधिवत रथ मे शंख घंट एवं झांझ मृदंग की थाप मे गाहक बाहक एवं श्री राम जानकी मंदिर समिति सदस्यों की उपस्थिति में रथ का परिक्रमा कर आरूढ कराये गया।

आतिशबाजी, पुष्पवर्षा एवं जय जगन्नाथ महाप्रभु की जयघोष के साथ रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा का शुभारंभ हिन्दू संस्कृति परम्परा के अनुसार पूजा पाठ कर किया गया। श्रीराम जानकी मंदिर से रथयात्रा प्रारंभ होकर शहीद वीर

नारायण होते बस स्टैंड होते हुए समलेश्वरी मंदिर टिकरापारा से नगर भ्रमण करते हुए कृषि उपज मंडी परिसर पहुंचा।

रथयात्रा में कीर्तन मंडली के विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्रों से सुसज्जित तरीके से भक्तिमय वातावरण में नाचते थिरकते चल रहे थे। रथयात्रा में आनंद मदनानी,राधे अग्रवाल, रतन अग्रवाल,अशोक जोशी,श्याम लाल अग्रवाल,तरूण दास, अर्चक पुरोहित संदीप शास्त्री, अर्चक पुरोहित सुमंत महाराज, शिवप्रसाद श्रीवास्तव, कैलाश साहू, जयनारायण अग्रवाल, जगदीश दास राजन, अनिल साव,बलदेव मिश्रा, सेवक दास दीवान,अभय धृतलहरे अजय अग्रवाल, जयभगवान अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, आनंद विलास दास,विवेक दास, विकास वाधवा, ऋषिकेशन दास, मनहरण सोनवानी, गजानंद भोई, सहित भारी संख्या श्रद्धालुगण रथयात्रा में चल रहे थे।

रथयात्रा का मुख्य उद्देश्य - उल्लेखनीय है कि भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा का उद्देश्य यह है कि वे लोग जो वर्ष भर मंदिर नहीं आ पाते हैं उन्हें भगवान के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हो। राजा इन्द्रद्युम्न और उनकी धर्मपत्नी गुंडिचा देवी के काल में महाप्रभु जगन्नाथ की मूर्ति बनाने के लिए समुद्र से विशाल लाल वृक्ष का तना निकाला गया। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि से दशमी तिथि तक जन सामान्य के बीच रहते हैं।इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ रथयात्रा पर विराजमान होकर गुंडिचा मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। रथयात्रा का भव्य आयोजन दस दिनों तक चलता है।

गौरतलब है कि बसना शहर में निकाली गई रथयात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु चल रहे थे। पूरा शहर भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के जय घोष एवं कीर्तन की धुन से गुंजायमान हो गया। बसना शहर ,आदर्श नगर,के अलावा क्षेत्र के बरोली, गढफुलझर, अरेकेल , गढ़पटनी, पिलवापाली, मेदिनीपुर, बरपेलाडीह, बोईरडीह के अलावा अधिकांश ग्रामों में रथयात्रा महापर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बंसूला में मनाया गया प्रवेश उत्सव

बसना(समय दर्शन)। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नव प्रवेशी बच्चों के लिए प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में गोवर्धन डडसेना संकुल समन्वयकऔर समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे ।सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती एवं भारत माता की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । तत्पश्चात नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर स्वागत किया गया और गणवेश तथा पाठ्य पुस्तक वितरित किया गया। इस अवसर पर डडसेना सर ने बच्चों को शुभकामनाएं प्रदान की ।इस कार्यक्रम में बहुत अधिक संख्या में समिति के पदाधिकारी एवम् पालक गण उपस्थित थे । बच्चों के द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्रावास अधीक्षिका गीतांजलि नाग, सविता कुमार, किरण मलिक ,संतोषी साहू का विशेष योगदान रहा।

पुरी जगन्नाथ रथयात्रा में उमड़ा जनसैलाब, विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल परिवार के साथ हुए शामिल

बसना(समय दर्शन)। जगन्नाथ पुरी में रथ यात्रा के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इस विशाल जनसैलाब में बसना विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे अग्रवाल परिवार व क्षेत्रवासियों के साथ रथयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने भुवनेश्वर स्थित ऐतिहासिक लिंगराज मंदिर में महादेव जी के त्रिभुवनेश्वर रुप का दर्शन पूजन तथा जय मां बाट मंगला देवी की सहित पूरी स्थित अनेकों में पूजा अर्चना कर सर्वमंगल व सभी के कल्याण की कामना किए। रथयात्रा शुरू होने से पहले विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने तीनों रथों की परिक्रमा की, देवताओं के सामने माथा टेका और सुख-शांति की कामना की। इस दौरान उन्होंने मुख्य जगन्नाथ रथ को जोड़ने वाली रस्सियों को खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया।

विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने कहा कि आज पूरी में पवित्र रथयात्रा के अवसर पर श्री जगन्नाथ महाप्रभु जी,बलभद्र स्वामी और माता सुभद्रा अपने अपने रथों में सवार हुए। घंटियों, शंखों और मंजीरों की ध्वनियों के बीच श्रद्धालुओं ने जय जगन्नाथ के जयकारे लगाए। आज हम सभी को सदियों से चले आ रहे इस आध्यात्मिक उत्सव में प्रतिभाग करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। परम ब्रह्म की सर्वव्यापकता को महसूस करने का यह एक शुभ क्षण था। भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु जी की कृपा से सकल जगत में शांति समृद्धि और खुशहाली व सर्व मंगल की कामना करता हूं। इस अवसर पर उनके साथ बसना नगर पंचायत

उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, नीलांचल सेवा समिति प्रमुख सलाहकार अमित अग्रवाल,पार्षद किशन अग्रवाल,वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश अग्रवाल,भाजपा कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी,विधायक निज सहायक रोहित अग्निहोत्री,विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा, नरेन्द्र बोरे, हरजिंदर सिंह, डॉ.श्रीवास्तव सहित समस्त अग्रवाल परिवार रथयात्रा में शामिल हुए।

पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में 'पहांडी' अनुष्ठान पूरा होने के बाद रविवार को भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा अपने-अपने रथों पर सवार हुए और उनकी यात्रा शुरू हुई। हर साल आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से इस रथ यात्रा का आयोजन होता है। मान्यताओं के अनुसार रथ यात्रा निकालकर भगवान जगन्नाथ को प्रसिद्ध गुंडिचा माता मंदिर पहुंचाया जाता है, जहां भगवान 7 दिनों तक आराम करते हैं। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से दशमी तिथि तक भगवान जगन्नाथ आम जनों के बीच में रहते हैं। यानी जगन्नाथ रथ यात्रा का यह भव्य आयोजन 10 दिनों तक होता है। इस साल आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की तिथियां घट गई हैं। इस कारण यात्रा दो दिन की है। इससे पहले 1971 में भी कुछ ऐसा ही हुआ था। इस बार यह यात्रा 7 जुलाई से शुरू हुई है। तिथि परिवर्तन के कारण इस बार यह रथयात्रा दूसरे दिन यानी 8 जुलाई को गुंडिचा मंदिर पहुंचेगी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर घूमने की इच्छा जताई थी। उसके बाद भगवान जगन्नाथ और उनके बड़े भाई बलराम ने तीन भव्य रथ तैयार कराए और उन्हीं से तीनों नगर भ्रमण पर गए थे। रास्ते में तीनों अपनी मौसी गुंडिचा के घर भी गए। अपनी यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर 7 दिन तक रुकते हैं। उसके बाद से ही यह यात्रा जारी है। बता दें, जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर लगभग 3 किलोमीटर दूर है। तिथि के अनुसार, 9 से 15 जुलाई तक भगवान जगन्नाथ यहीं रहेंगे। 16 जुलाई को रथ यात्रा का समापन हो जाएगा और तीनों देवी-देवता वापस जगन्नाथ मंदिर लौट आएंगे। लौटने की यात्रा को बहुड़ा यात्रा कहा जाता है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26